Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 289
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शनिवार, 25 अक्टूबर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

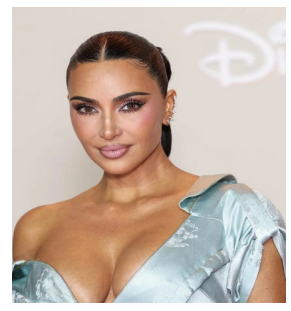

3 राज्य में 25 लाख हेक्टेयर भूमि प्राकृतिक खेती... 4 भारत की अमृत पीढ़ी - 65 फीसदी युवा... 7 ऑस्ट्रेलिया में आखिरी मैच खेल सकते हैं ...

संक्षिप्त न्यूज

'थार शक्ति' अभ्यास देख राजनाथ का पाक को कड़ा संदेशः दुस्साहस किया तो करारा जवाब

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को जैसलमेर के लोंगेवाला के पास तनोट माता मंदिर का दौरा किया और पूजनीय मंदिर में श्रद्धांजलि अर्पित की। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान पाकिस्तान द्वारा श्री तनोट राय माता मंदिर परिसर पर गिराए गए बिना फटे बमों को देखा, जो उल्लेखनीय रूप से फटे नहीं थे। यात्रा के बाद, सिंह ने लोंगेवाला सीमा पर चल रहे थार शक्ति अभ्यास का अवलोकन किया। राजस्थान अभ्यास थार शक्ति एक भारतीय सेना का अभ्यास है जो रेगिस्तानी इलाकों में भूमि-आधारित युद्ध पर केंद्रित है।

गुरुवार को, सिंह ने जैसलमेर में शौर्य वन का उद्घाटन किया, जिसके बाद उन्होंने 1971 के भारत-पाक युद्ध संग्रहालय का भी दौरा किया। सिंह ने शौर्य वन के मुख्य आकर्षण को भी देखा। शौर्य वन थार रेगिस्तान में एक नया प्रकाश और ध्वनि शो है प्रकाश एवं ध्वनि शो जैसलमेर स्थित 1971 भारत-पाक संग्रहालय में आयोजित किया जाता है। इस बीच, जैसलमेर में बड़ाखाना के दौरान सैनिकों से बातचीत करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि 'पाकिस्तान अब भारत के खिलाफ कोई भी दुस्साहस करने से पहले दो बार सोचेगा क्योंकि हमारे सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उन्हें कड़ी चेतावनी दी है।'

यह दोहराते हुए कि ऑपरेशन खत्म नहीं हुआ है, बल्कि रुका हुआ है, रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि अगर उसने कोई दुस्साहस किया तो उसे और भी कठोर जवाब दिया जाएगा।

आंध्र प्रदेश में हैदराबाद-बेंगलुरु बस में आग लगने से 20 लोगों की मौत

पीएम ने जताया दुख, मुआवजे की घोषणा

कुरनूल। आंध्र प्रदेश के कुरनूल ज़िले के चिन्नातेकुर के पास शुक्रवार सुबह एक निजी ट्रैवल बस में एक दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद आग लग गई, जिसमें 20 लोगों की मौत हो गई। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि बस में लगभग 40 यात्री सवार थे। इनमें से 18 यात्रियों की जीवित पहचान हो गई है। पुलिस ने कहा कि कई शव पूरी तरह से जल चुके थे, जिससे पहचान मुश्किल हो रही थी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, यह घटना सुबह लगभग 3:30 बजे हुई। बस और दोपहिया वाहन की टक्कर के बाद भीषण आग लग गई जिसने देखते ही देखते पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग पहले बस के अगले हिस्से में लगी और फिर तेज़ी से फैल गई। आग बढ़ने पर 12 यात्री आपातकालीन निकास द्वार तोड़कर मामूली चोटों के साथ बाहर निकलने में कामयाब रहे। उन्हें इलाज के लिए कुरनूल सरकारी अस्पताल ले जाया गया। जब यह हादसा हुआ, उस समय इलाके में भारी बारिश हो रही थी, जिसके कारण यह टक्कर हुई होगी। आग में बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। अधिकारी आग लगने के कारणों

की जाँच कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने आंध्र प्रदेश में बस हादसे में लोगों की मौत पर दुख जताया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में बस में आग लगने की घटना में लोगों की मौत पर शुक्रवार को दुख व्यक्त किया। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, "आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में दुर्घटना के कारण हुई जनहानि से अत्यंत दुःखी हूं।" कुरनूल जिले के चिन्नातेकुर के निकट हैदराबाद की ओर जा रही एक निजी बस और एक दोपहिया वाहन के बीच टक्कर के बाद बस में आग लग जाने से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।" उन्होंने कहा, "प्रत्येक मृतक के परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।" शुरुआती खबर के अनुसार, एक मोटरसाइकिल और बस की टक्कर हो गई और मोटरसाइकिल के बस के नीचे आने के बाद दोपहिया वाहन घसीटा गया और उसके ईंधन का ढक्कन खुलने से बस में आग लग गई। पुलिस ने बताया कि शॉर्ट सर्किट के कारण बस का दरवाजा जाम हो गया और कुछ ही मिनट में वाहन जलकर खाक हो गया। पुलिस ने बताया कि इस घटना में जीवित बचे अधिकतर लोगों की उम्र 25 से 35 साल के बीच है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शुक्रवार तड़के आंध्र प्रदेश में बस में आग लगने की घटना में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने एक बयान में कहा, कुरनूल जिले के चिन्नातेकुरु गांव के पास हैदराबाद-बेंगलुरु मार्ग पर एक बस में आग लगने की दुखद घटना से व्यथित और दुखी हूं। इस हृदय विदारक घटना में कई अनमोल जानें चली गईं और कई लोग घायल हुए। उन्होंने कहा, "जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।"

बिहार में सुशासन बनाम 'लठबंधन'

पीएम मोदी बोले-आरजेडी-कांग्रेस सिर्फ़ लूट और घोटाले करती है

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि 'जंगल राज' के नेताओं ने केवल अपने परिवारों की परवाह की और बिहार के युवाओं का जीवन बर्बाद कर दिया, लेकिन मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने राज्य को समृद्ध बनाया। बिहार के बेगूसराय में अपनी दूसरी चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य के लोगों को लालटेन (राजद का चुनाव चिन्ह) की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि अब उनके मोबाइल फोन में टॉर्च है। उन्होंने कहा कि बिहार से युवाओं के पलायन के लिए भी राजद ज़िम्मेदार है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि राजग ने 'जंगल राज' को खत्म किया है और राज्य में सुशासन लाया है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस बार बिहार में मुकाबला सत्तारूढ़ गठबंधन और 'महालठबंधन' के बीच है। उन्होंने कहा कि आप सभी को याद रखना चाहिए कि राजद-कांग्रेस का नाम सुनते ही निवेशक भाग जाते हैं। जो लोग नौकरी के नाम पर गरीबों से जमीन हड़पते हैं, वे आपको कभी रोजगार नहीं देंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाले झारखंड मुक्ति मोर्चा द्वारा बिहार चुनाव से अपने छह उम्मीदवारों को वापस लेने के फैसले पर भी राजद पर तीखा हमला बोला और कहा कि लालू प्रसाद यादव की पार्टी के अहंकार के कारण झामुमो ने महागठबंधन छोड़ दिया।

जिन लोगों को पता नहीं है, उन्हें बता दें कि झामुमो ने छह उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन अब उसने राजद और कांग्रेस की राजनीतिक साजिश का हवाला देते हुए बिहार चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की है। झामुमो ने यह भी घोषणा की है कि वह अब झारखंड में इन दोनों दलों के साथ अपने गठबंधन पर पुनर्विचार करेगा।

राष्ट्रपति ने आंध्र प्रदेश में बस अग्निकांड में हुई मौतों को 'बेहद दुर्भाग्यपूर्ण' बताया

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश में एक बस में आग लगने के कारण लोगों की हुयी मौत पर शोक प्रकट किया और इस दुर्घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया।

राष्ट्रपति ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "आंध्र प्रदेश के कुरनूल में एक दुखद बस अग्निकांड में हुई मौतों की खबर बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं, और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिये प्रार्थना करती हूं।"

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि हैदराबाद जा रही एक निजी बस में शुक्रवार तड़के कुरनूल जिले के चिन्नातेकुर के पास एक दोपहिया वाहन से टकराने के बाद आग लग गई, जिससे इस हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में बाइक सवार भी शामिल है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के तीन उम्मीदवार जीते, एक सीट पर भाजपा का कब्जा

श्रीनगर। अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद से जम्मू-कश्मीर में 24 अक्टूबर को हुए राज्यसभा चुनाव श्रीनगर विधानसभा परिसर में शांतिपूर्वक संपन्न हुए। राज्यसभा चुनाव के लिए 88 में से 86 विधायकों ने अपने वोट डाले और हिरासत में लिए गए विधायक मेहराज मलिक ने डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान किया। कांग्रेस, पीडीपी, सीपीआई (एम), एआईपी और छह निर्दलीय उम्मीदवारों के समर्थन से सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) गठबंधन ने निर्णायक बहुमत हासिल किया, जिससे चार में से तीन सीटों पर आसान जीत सुनिश्चित हुई। एनसी के उम्मीदवार, चौधरी मोहम्मद रमजान, सज्जाद किचलू और शम्मी ओबेरॉय, राज्यसभा में प्रवेश कर गए, जिससे 88 सदस्यीय विधानसभा में पार्टी की प्रमुख स्थिति की पुष्टि हुई।

चौथी सीट के लिए मुकाबला एनसी के इमरान नबी डार और भाजपा के सत शर्मा के बीच था, जहां शर्मा ने बहुमत के 32 वोटों से जीत हासिल की पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के मतदान में भाग न लेने के बावजूद, एनसी ने पहले सभी चार सीटों पर जीत हासिल करने का विश्वास व्यक्त किया था, और इस बात पर जोर दिया था कि ये परिणाम अनुच्छेद 370 के बाद की राजनीतिक स्थिरता और केंद्र शासित प्रदेश में एनसी के नेतृत्व वाले गठबंधन की ताकत में मतदाताओं के विश्वास को दर्शाते हैं।

बिहार चुनाव में NDA के लिए मुसीबत बनेगा बेरोजगारी का मुद्दा, नीतीश की नीतियों की होगी अग्निपरीक्षा

पटना। बिहार विधानसभा चुनावों के तारीखों की चुनाव आयोग ने औपचारिक घोषणा कर दी है। वहीं 121 सीटों पर चरण उत्तर बिहार में तो वहीं 122 सीटों पर दूसरा चरण दक्षिण बिहार में होना हैं। 06 नवंबर को पहले चरण का चुनाव होगा, जोकि महापर्व छठ पूजा के करीब एक सप्ताह बाद है। वहीं इस महापर्व के दौरान देश भर में रहने वाले बिहारवासी अपने-अपने घर छुट्टी लेकर पहुंचते हैं। वहीं चुनाव का दूसरा चरण 11 नवंबर को होना है। वहीं विधानसभा चुनाव की मतगणना 14 नवंबर को होगी। ऐसे में चुनाव प्रचार के लिए सिर्फ एक महीने का समय बचा है, तो चुनावी बयार किस तरफ बह रही है और साथ ही बिहार चुनाव के मुख्य मुद्दे क्या हैं, जोकि 14 नवंबर को चुनाव के नतीजे तय करेंगे।

बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में करीब 3 करोड़ युवा मतदाताओं ने वोट डाला था। वहीं साल 2025 के विधानसभा चुनाव में 4 करोड़ के आसपास युवा मतदाता मतदान करेंगे। साल 2025 जनवरी में जारी वोटर लिस्ट के मुताबिक 18 से 39 साल के युवा मतदाताओं की संख्या 4 करोड़ यानी की कुल वोटरों का 60इ है। ऐसे में इस बार के विधानसभा चुनाव में युवा मतदाताओं का अहम रोल होना है। इसलिए सभी राजनीतिक दल युवा मतदाताओं को रिझाने में लगे हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव के तूफान में बेरोजगारी का मुद्दा काफी अहम है। 20 सालों तक सत्ता में रहने के बाद भी एनडीए सरकार अब अभूतपूर्व सत्ता-विरोधी लहर का सामना करने को मजबूर है। इसके पीछे की मूल वजह रोजगार के अवसरों में कमी का होना शामिल है। हालांकि नीति आयोग के अनुसार, राज्य में बेरोजगारी की दर 2022-23 में 3.9 फीसदी थी। बिहार मुख्य रूप से कृषि और गांवों पर आधारित प्रदेश है और यहां पर बेरोजगारी दर अधिक है।

यही वजह है कि राज्य के भविष्य के निर्माता युवा अब निराश हैं। रोजगार को लेकर युवाओं के सपने सरकार की निष्क्रियता के कारण दम तोड़ रहे हैं। युवाओं के असंतोष की यह खामोश लहर बिहार के चुनावी माहौल में हर जगह साफ महसूस की जा सकती है। मतदाताओं को सीएम नीतीश कुमार के लंबे शासन की बुनियाद पर सवाल उठाने के लिए मजबूर कर रही है। मुख्य रूप से बेरोजगार युवाओं की वजह से सत्ता विरोधी रुझान हैं, जोकि बड़े पैमाने पर अलग-थलग पड़ चुके हैं।

राज्य में रोजगार के लिए युवा पलायन करने को मजबूर हैं। युवाओं के पास शिक्षा तो है, लेकिन रोजगार नहीं हैं। वहीं अधिकांश बिहारियों की आर्थिक स्थिति कमजोर है

जनसंख्या, भूमि और शिक्षा क्षेत्र में असम के मुख्यमंत्री की नीतियों ने डाला बड़ा प्रभाव

गुवाहटी।असम सरकार ने राज्य के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिदृश्य को बदलने वाले कई अहम निर्णय लिए हैं। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में ये फैसले न केवल आदिवासी और कमजोर समुदायों के अधिकारों को सशक्त बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे, बल्कि यह आगामी विधानसभा सत्र में प्रस्तावित संवैधानिक और विधायी कदमों के लिए भी एक संकेत हैं। हिमंत सरकार की नीतियों का सार तीन प्रमुख क्षेत्रों में देखा जा सकता हैः जनसंख्या नियंत्रण नीति में छूट, भूमि अधिकारों का संवर्धन और संवैधानिक सुधार।

हम आपको बता दें कि हालिया फैसले में असम सरकार ने राज्य की दो-बच्चे की नीति में विशिष्ट आदिवासी और कमजोर समुदायों के लिए छूट देने का निर्णय लिया है। इसमें ट्राइबल ग्रुप्स, चाय बागान श्रमिकों, मोरन और मोट्टॉक समुदाय शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय सामाजिक विज्ञानियों से व्यापक परामर्श के बाद लिया गया है, ताकि इन छोटे समुदायों के विलुप्त होने या अल्पसंख्यक बनने का खतरा कम किया जा सके। 2017 में लागू की गई दो-बच्चे की नीति अब इन समुदायों पर लागू नहीं होगी, जिससे वह सरकारी नौकरियों या पंचायत चुनावों में भाग लेने से

वंचित नहीं होंगे।

देखा जाये तो यह कदम सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। दरअसल असम जैसे बहुजातीय राज्य में छोटे और कमजोर समुदायों का संरक्षण सांस्कृतिक और भाषाई विविधता को बनाए रखने के लिए आवश्यक है। यदि इन समुदायों की जनसंख्या नियंत्रित रह जाती तो आने वाले दशकों में उनकी पहचान खतरे में पड़ सकती थी। राजनीतिक दृष्टि से यह निर्णय सरकार को आदिवासी और श्रमिक वर्ग के बीच मजबूती से खड़ा करता है और आगामी चुनावों में समर्थन को सुदृढ़ कर सकता है।

दूसरा फैसला भूमि अधिकारों और आर्थिक सशक्तिकरण से संबंधित है। असम सरकार ने मिशन बासुंधरा 2.0 के तहत 224 भूमि पट्टों को मंजूरी दी है, जिससे भूमिहीन आदिवासी परिवारों को स्थायी संपत्ति मिल सके। यह कदम लंबे समय से चली आ रही भूमि विवादों को हल करने और मूल निवासी समुदायों के बीच भूमि संसाधनों के न्यायसंगत वितरण को सुनिश्चित करने का प्रयास है। इसके साथ ही, असम पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड के मेथेनॉल और फॉर्मेलिन परियोजना की लागत बढ़ाने और विस्तार की मंजूरी ने औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन के अवसरों को भी बढ़ाया है।

शिक्षा क्षेत्र में भी सरकार ने संवेदनशील पहल की है।

महिला डॉक्टर ने हथेली पर सुसाइड नोट लिख की आत्महत्या; दो पुलिसकर्मियों पर लगाया दुष्कर्म का आरोप

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के सतारा जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। फलटन तहसील के सरकारी अस्पताल में कार्यरत एक महिला डॉक्टर ने आत्महत्या कर ली। डॉक्टर ने अपनी हथेली में सुसाइड नोट लिख दो पुलिसकर्मियों पर दुष्कर्म और मानसिक उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगाया है। यह मामला सामने आते ही पूरे राज्य में सनसनी फैल गई।

पुलिस के अनुसार, महिला डॉक्टर का शव गुरुवार देर रात फलटन स्थित एक होटल के कमरे में फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला। होटल स्टाफ की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। मृतका मूल रूप से बीड जिले की रहने वाली थी और पिछले कुछ महीनों से फलटन के सरकारी अस्पताल में कार्यरत थी।

महिला डॉक्टर ने अपने सुसाइड नोट में लिखा कि सतारा पुलिस के दो कर्मियों ने उसे पिछले पांच महीनों से शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। उसने अपने हाथ पर लिखे सुसाइड नोट में बताया कि उपनिरीक्षक गोपाल बडाने

ने कई बार उसका दुष्कर्म किया, जबकि पुलिसकर्मी प्रशांत बंकर लगातार मानसिक उत्पीड़न करता रहा। पुलिस ने दोनों के खिलाफ बलात्कार और आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और सुसाइड नोट में दर्ज आरोपों की जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री का हस्तक्षेप और कार्रवाई के आदेश

मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तुरंत सतारा के पुलिस अधीक्षक से बात की और दोनों आरोपी पुलिसकर्मियों के तत्काल निलंबन का आदेश दिया। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि फडणवीस ने गृह विभाग के प्रमुख के तौर पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं ताकि दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा न जाए।

महिला आयोग भी हुआ सक्रिय

घटना पर महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर ने भी संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा कि आयोग ने सतारा पुलिस को कड़े निर्देश जारी किए हैं और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। चाकणकर ने कहा कि इस अमानवीय घटना में शामिल किसी भी व्यक्ति को छोड़ा नहीं जाएगा। महिला की मौत को न्याय मिलेगा।

वहीं, मामले में महिला डॉक्टर के चचेरे भाई ने कहा कि मेरी बहन पर गलत पोस्टमार्टम रिपोर्ट देने के लिए पुलिस और राजनीतिक दबाव बनाया जा रहा था। उसने इसकी शिकायत करने की कोशिश की थी। मेरी बहन को न्याय मिलना चाहिए। आरोपियों को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए।

आरोपियों को सलाखों के पीछे डाला जाना चाहिए- शिवसेना यूबीटी

शिवसेना (यूबीटी) नेता आनंद दुबे ने मामले पर कहा कि यह दिल दहला देने वाली घटना है। क्या हम 'जंगल राज' की ओर बढ़ रहे हैं? हम देवेंद्र फडणवीस से अनुरोध करते हैं कि वे अपने मंत्रियों से कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति के बारे में पूछताछ करें। साथ ही सुनिश्चित करें कि भविष्य में ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए। आरोपियों को सलाखों के पीछे डाला जाना चाहिए। पूरे राज्य में अपराध हो रहे हैं।

पंकजा मुंडे बोलीं- न्याय मिलेगा

महाराष्ट्र की मंत्री पंकजा मुंडे ने कहा कि मामले की विस्तृत जांच की जाएगी। मीडिया ट्रायल नहीं होना चाहिए। न्याय मिलना चाहिए। अगर एक शिक्षित डॉक्टर, जिसने इतने सारे लोगों की जान बचाई है, उसे इस स्थिति से गुजरना पड़े, तो यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। हमारे गृह मंत्री और मुख्यमंत्री इस मामले का संज्ञान लेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि न्याय मिले।

रविवार को मध्य रेल पर मेगा ब्लॉक

मुंबई(संवाददाता) । मध्य रेल, मुंबई मंडल रविवार, दिनांक 26.10.2025 को अपने उपनगरीय खंडों पर विभिन्न इंजीनियरिंग और रखरखाव कार्यों के लिए निम्नानुसार मेगा ब्लॉक परिचालित करेगाः

मेन लाइनः

माटुंगा-मुलुंड अप और डाउन फास्ट लाइनें 11.05 बजे से 15.45 बजे तक

10.36 बजे से 15.10 बजे तक सीएसएमटी मुंबई से छूटने वाली डाउन फास्ट लाइन की सेवाएं माटुंगा स्टेशन पर डाउन स्लो लाइन पर डायवर्ट की जाएँगी और माटुंगा और मुलुंड स्टेशनों के बीच अपने-अपने निर्धारित ठहरावों पर रुकेंगी और अपने गंतव्य पर 15 मिनट देरी से पहुँचेंगी। ठाणे से आगे जाने वाली फास्ट ट्रेनों को मुलुंड स्टेशन पर डाउन फास्ट लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा।

ठाणे से सुबह 11.03 बजे से दोपहर 15.38 बजे तक छूटने वाली अप फास्ट लाइन की सेवाएँ मुलुंड स्टेशन पर अप स्लो लाइन पर डायवर्ट की जाएँगी और मुलुंड और माटुंगा स्टेशनों के बीच अपने निर्धारित ठहराव के अनुसार रुकेंगी। माटुंगा स्टेशन पर अप फास्ट लाइन पर पुनः डायवर्ट की जाएँगी और अपने गंतव्य पर 15 मिनट देरी से पहुँचेंगी।

ट्रांस-हार्बर लाइनः

ठाणे और वाशी/नेरुल स्टेशनों के बीच अप और डाउन ट्रांस-हार्बर लाइन सुबह 11.10 बजे से शाम 16.10 बजे तक

ब्लॉक अवधि के दौरान अप और डाउन ट्रांस-हार्बर लाइन की सेवाएँ वाशी/नेरुल और ठाणे स्टेशनों के बीच निलंबित रहेंगी।

ठाणे से सुबह 10.35 बजे से शाम 16.07 बजे तक वाशी/नेरुल/पनवेल के लिए छूटने वाली डाउन लाइन सेवाएँ और

ठाणे से सुबह 10.25 बजे से शाम 16.09 बजे तक पनवेल/नेरुल/वाशी के लिए छूटने वाली अप लाइन सेवाएँ रद्द रहेंगी।

ये रखरखाव मेगा ब्लॉक बुनियादी ढाँचे के रखरखाव और संरक्षा के लिए आवश्यक हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे इससे होने वाली असुविधा के लिए रेलवे प्रशासन के साथ सहयोग करें।

दाहोद स्टेशन पर दो ट्रेनों का अतिरिक्त ठहराव

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए बांद्रा टर्मिनस-लुधियाना और मुंबई सेंट्रल-शकुर बस्ती ट्रेनों को दाहोद स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, विवरण निम्नानुसार हैं:

26 अक्टूबर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09097 बांद्रा टर्मिनस-लुधियाना स्पेशल दाहोद स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 05:25 बजे दाहोद स्टेशन पहुँचेगी और 05:27 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, 28 अक्टूबर, 2025 को लुधियाना से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09098 लुधियाना-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल दाहोद स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 23:53 बजे दाहोद स्टेशन पहुँचेगी और 23:55 बजे प्रस्थान करेगी।

25 अक्टूबर, 2025 को मुंबई सेंट्रल से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या

09003 मुंबई सेंट्रल - शकूर बस्ती स्पेशल दाहोद स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 17:48 बजे दाहोद स्टेशन पहुँचेगी और 17:50 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, 26 अक्टूबर, 2025 को शकूर बस्ती से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 09004 शकूर बस्ती - मुंबई सेंट्रल स्पेशल दाहोद स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन 00:31 बजे दाहोद स्टेशन पहुँचेगी और 00:33 बजे प्रस्थान करेगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

नवी मुंबई मुख्यालय भवन 'पोलियो अलविदा' के संदेश से जगमगा उठा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पोलियो की रोकथाम और उन्मूलन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 24 अक्टूबर को दुनिया भर में 'विश्व पोलियो दिवस' के रूप में मनाया जाता है। यह दिन टीकाकरण अभियानों के महत्व पर प्रकाश डालता है और 'पोलियो मुक्त विश्व' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए चल रहे कार्यों को प्रोत्साहित करता है।

इस वर्ष पोलियो दिवस की थीम 'पोलियो का अंतः हर बच्चा, हर टीका, हर जगह' है। इस संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए नवी मुंबई नगर निगम द्वारा एक विशेष अभियान शुरू किया गया। इसमें रोटरी क्लब ऑफ नवी मुंबई जॉय ऑफ गिविंग और आरसीसी नवी मुंबई शेपर्स शामिल थे। इसी क्रम में, मुख्यालय भवन, जो एक प्रतिष्ठित इमारत के रूप में जाना जाता है, के केंद्रीय गुंबद पर 'पोलियो अभी समाप्त करें', 'पोलियो अलविदा', 'आइए भारत को पोलियो मुक्त रखें' जैसे संदेश प्रक्षेपित किए गए।

नवी मुंबई नगर निगम पोलियो उन्मूलन के लिए निरंतर प्रयासरत है और 12 अक्टूबर को नगर आयुक्त डॉ. कैलाश

शिंदे के मार्गदर्शन में 'विशेष पोलियो टीकाकरण अभियान' चलाया गया। इस दिन बड़ी संख्या में 721 पोलियो बूथ चालू किए गए। उस दिन, 88,748 संभावित लाभार्थियों में से 86 प्रतिशत, यानी 76,818 बच्चों को टीके लगाए गए।

जिन बच्चों को उस दिन टीका नहीं लगाया गया था, उनके टीकाकरण के लिए 17 अक्टूबर तक एक विशेष अभियान चलाया गया और 826 स्वास्थ्य टीमों ने घर-घर जाकर उन्हें टीके लगाए। इस प्रकार, 12 से 17 अक्टूबर के बीच कुल 92,242 बच्चों को पोलियो का टीका लगाया गया, जो लक्ष्य से अधिक था।

पोलियो मुक्त भारत के सपने को साकार करने के लिए, नवी मुंबई नगर निगम क्षेत्र को पोलियो मुक्त बनाने के लिए योजनाबद्ध कदम उठा रहा है और यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्क है कि जन्म के बाद दिए जाने वाले विभिन्न टीकों की तरह, प्रत्येक बच्चे को पोलियो के टीके की दो बूँदें अवश्य मिलें। मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने बताया कि दिवाली के अवसर पर मनपा मुख्यालय भवन को जहाँ विविध रंगों से सजाया गया, वहीं पोलियो जागरूकता का गुलाबी रंग भी इसमें प्रदर्शित किया गया।

रोटरी क्लब ऑफ़ नवी मुंबई जॉय ऑफ़ गिविंग ने मानवीय दृष्टिकोण से इसमें भाग लिया। पोलियो वैक्सीन की मात्र दो बूँदें एक बच्चे के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती हैं। इसलिए, बच्चों के सामूहिक टीकाकरण के माध्यम से पोलियो मुक्त विश्व की संकल्पना को साकार करने के लिए जनभागीदारी के माध्यम से प्रयास किए जा रहे हैं।

मुंबई में प्रेम विवाद ने लिया खतरनाक मोड़, युवक ने प्रेमिका पर किया चाकू से हमला और फिर दे दी जान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। मुंबई के बायकुला इलाके में शुक्रवार सुबह एक 24 वर्षीय युवक ने अपनी पूर्व प्रेमिका पर चाकू से हमला किया और फिर अपनी गर्दन काटकर आत्महत्या कर ली। कलाचौकी निवासी सोनू बराई ने सुबह लगभग 11 बजे 24 वर्षीय मनिषा यादव को सड़क पर निशाना बनाया। पुलिस के अनुसार, यह घटना दोनों के बीच ब्रेकअप के लगभग दो हफ्ते बाद हुई। हमले में गंभीर रूप से घायल महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

मिलने के बहाने बुलाकर किया हमला

अधिकारी ने बताया कि बरई को शक था कि यादव किसी और को डेट कर रही है, जिसके चलते दोनों के बीच झगड़ा हुआ। आखिरकार उन्होंने अपना रिश्ता खत्म कर लिया। शुक्रवार की सुबह, बरई ने अपनी पूर्व प्रेमिका को मिलने के लिए बुलाया, लेकिन वह अपने साथ रसोई का चाकू भी ले गया। यादव के आते ही बरई ने उस पर दो-तीन बार चाकू से वार किया। घायल महिला जान बचाने के लिए भागी और एक

नर्सिंग होम में घुस गई। लेकिन उस व्यक्ति ने उसका पीछा किया और अस्पताल के अंदर भी उस पर चाकू से वार किया।वहां मौजूद अन्य लोगों ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन बरई गुस्से में था और उसके पास हथियार थे, इसलिए वे ज्यादा कुछ नहीं कर पाए। अधिकारी ने बताया कि तभी किसी ने बरई पर पत्थर फेंका, जिससे उसे एहसास हुआ कि वह बच नहीं पाएगा। इसके बाद बरई ने अपना गला काट लिया और अत्यधिक खून बह जाने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस एवं जोधपुर स्टेशनों के बीच चलाएगी एक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दिवाली एवं छठ पूजा के त्योहारी सीज़न दौरान उनकी यात्रा माँग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस एवं जोधपुर स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार हैः

1. ट्रेन संख्या 04834/04833 बांद्रा टर्मिनस - जोधपुर सुपरफास्ट स्पेशल (02 फेरे)

ट्रेन संख्या 04834 बांद्रा टर्मिनस - जोधपुर सुपरफास्ट स्पेशल सोमवार को बांद्रा टर्मिनस से 10:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11:25 बजे जोधपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन 27 अक्टूबर, 2025 को चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04833 जोधपुर - बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल रविवार को जोधपुर से 06:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 26 अक्टूबर 2025 को चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली,

पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, वनस्थली निवाई, दुर्गापुरा, जयपुर, आसलपुर जोबनेर, फुलेरा, कुचामन सिटी, मकराना, डेगाना और मेड़ता रोड स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 04834 की बुकिंग सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर 26 अक्टूबर, 2025 से शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई-खुली निविदा संख्या : मरेप्रकार्यनागपुर-73-2025 दिनांक 18/10/2025. कार्य का नाम: रिले रूम और बैटरी रूम का निर्माण - 1) वानी - कायर खंड के बीच किमी 860/6-7 पर LC गेट संख्या 4 की इंटरलॉकिंग। PH-29, पिंक बुक - 2024-25 के अंतर्गत। (परियोजना आईडी - 01.03.29.25.3.52.001) 2) मोर्शी - वरुड खंड के बीच किमी 741/6-7 पर LC गेट संख्या 38 और किमी 764.805 पर LC गेट संख्या 49 की इंटरलॉकिंग। PH-29, पिंक बुक - 2024-25 के अंतर्गत। (परियोजना आईडी - 01.03.29.25.3.52.002)। **अनुमानित लागत:** रु. 4931338.67. **बयाना राशी:** रु. 98600.00 निविदा बंद होने की तिथि **11.11.2025 एवं समय 15.00** ई टेंडरिंग की विस्तृत जानकारी एवं-सूचना तथा ऑन लाइन भाग लेने हेतु रेल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखे।

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), मध्य रेल, नागपूर

DE/255

रेल्वे फाटक को बंध स्थिति में पार करना मना है

मध्य रेल

भुसावल मंडल

ई - निविदा आमंत्रण सूचना सं. : भुसावल ईलेक्ट_टीआरडी_75_2025 दिनाक 23.10.2025

भारत के महामाहिम राष्ट्रपति हेतु सीनियर डिवीजनल बिजली इंजीनियर (क.वि.) मध्य रेल, भुसावल द्वारा निम्न लिखित कार्य हेतु डीजीटेली हस्ताक्षरित ऑनलाइन ओपन ई निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम**: निम्नलिखित कार्यों के संबंध में, 25 केवी, सिंगल फेज, ए.सी. ओएचई कार्यों का डिज़ाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग: **a.** खेरवाड़ी स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज कार्य। **b.** खेरवाड़ी स्टेशन पर पूर्ण आच्छादित सीओपी। **C.** खेरवाड़ी स्टेशन पर यार्ड रीमॉडलिंग कार्य। **d.** कसबे सुकने स्टेशन पर पूर्ण आच्छादित सीओपी। **e.** कसबे सुकने स्टेशन पर यार्ड रीमॉडलिंग कार्य। **f.** नासिक रोड स्टेशन पर प्लेटफार्म विस्तार कार्य। **g.** ओढा रेलवे स्टेशन पर 2 सं. फुट ओवर ब्रिज की व्यवस्था। **h.** कसबे सुकने स्टेशन पर रैम्प सहित फुट ओवर ब्रिज की व्यवस्था। **i.** नासिक स्टेशन पर ईआई (डिस्ट्रिब्यूटेड) इंटरलॉकिंग सिस्टम हेतु एटी सप्लाई की व्यवस्था। **j.** ओढा स्टेशन पर नए पैनल भवन हेतु, लॉन्ग हॉल कार्य के संबंध में, एटी सप्लाई की व्यवस्था। **k.** कसबे सुकने स्टेशन पर ईआई (डिस्ट्रिब्यूटेड) इंटरलॉकिंग सिस्टम हेतु एटी सप्लाई की व्यवस्था। **l.** खेरवाड़ी स्टेशन पर ईआई (डिस्ट्रिब्यूटेड) इंटरलॉकिंग सिस्टम हेतु एटी सप्लाई की व्यवस्था। **कार्य की लागत**: रु. 8,86,90,588.40. **बयाना राशि**: रु.5,93,500/-. **निविदा जमा करने की अंतिम तारीख, समय**: 14.11.2025 up to 15:00 hrs. अतिरिक्त जानकारी के लिए वेब साइट का पता: **www.ireps.gov.in**

DE-76

रेल्वे फाटक को बंध स्थिति में पार करना मना है

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे
मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008।
कार्य - मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर मीडिया के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शित करना।

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVTMB25-8	10-11-25 13:00:00

अ. क्र.	लॉट संख्या	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	MMS-MobGen-133732-1-25-1 (Misc-Mobile-Services-Mobile General)	12009/10-मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद शताब्दी एक्सप्रेस में पार्सल बुकिंग और ट्रैकिंग के लिए ऐप-आधारित लॉजिस्टिक्स प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से गार्ड कम्पार्टमेंट नामित बॉक्स/केज स्पेस के उपयोग के लिए 03 वर्ष की अवधि के लिए अनुबंध।	1096	10-11-25 13:30:00
2	MMS-MobGen-176202-1-25-1(Misc-Mobile-Services-Mobile General)	22953/54-गुजरात एक्सप्रेस में पार्सल बुकिंग और ट्रैकिंग के लिए ऐप-आधारित लॉजिस्टिक्स प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से गार्ड कम्पार्टमेंट नामित बॉक्स/केज स्थान के उपयोग के लिए 03 वर्ष की अवधि के लिए अनुबंध।	1096	10-11-25 13:40:00

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVTM25-32	10-11-25 14:00:00

अ. क्र.	लॉट संख्या	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	MSS-BCT-MRU-MedStn-45-24-1 (Misc-Static-Services-Medical facilities at station)	5 वर्षों की अवधि के लिए माटुंगा रोड रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के माध्यम से चौबीसों घंटे चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना।	1826	10-11-25 14:30:00

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVT-25-49	10-11-25 15:00:00

अ. क्र.	लॉट संख्या	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	ADVT-Int-S1-77EMUInt-425-25-1 (Advertising-Train Interior)	मुंबई मंडल, पश्चिम रेलवे में 5 वर्षों की अवधि के लिए कुल 462.75 वर्ग मीटर क्षेत्र को कवर करने वाले 77 गैर-एसी ईएमयू रेकों (कुल 933 कोच) के अंदर रूट मैप के माध्यम से विज्ञापनों का प्रदर्शन जिनमें 74 ईएमयू रेक (प्रत्येक में 12 कोच) (कुल 888 कोच) और 3 ईएमयू रेक (प्रत्येक में 15 कोच) (कुल 45 कोच) शामिल हैं।	1826	10-11-25 15:30:00
2	ADVT-BCT-MIRA-OH-448-25-1 (Advertising-Out of Home)	मीरा रोड और भयंदर में मौजूदा होर्डिंग संरचनाओं (मरम्मत/सुदृढ़ीकरण सहित) पर विज्ञापन प्रदर्शित करने के लिए 3 वर्षों की अवधि के लिए थोक विज्ञापन अधिकार।	1096	10-11-25 15:40:00
3	ADVT-BCT-VAPI-OH-426-25-1 (Advertising-Out of Home)	वापी पूर्व में 6'x10' (चौड़ाई x ऊँचाई) आकार के 14 यूनिपोल, जिनमें 6 बैक-टू-बैक डिस्प्ले शामिल हैं, की स्थापना के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शित करने के लिए 5 वर्षों की अवधि हेतु थोक विज्ञापन अधिकार।	1826	10-11-25 15:50:00
4	ADVT-BCT-BVI-OH-446-25-2 (Advertising-Out of Home)	बोरीवली स्टेशन पर मौजूदा होर्डिंग संरचनाओं (मरम्मत/सुदृढ़ीकरण सहित) पर विज्ञापन प्रदर्शित करने के लिए 3 वर्षों की अवधि हेतु थोक विज्ञापन अधिकार।	1096	10-11-25 16:00:00
5	ADVT-EBW-S1-17EMUExt-25-1 (Advertising-Train Exterior (Below Window))	पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल में 5 वर्ष की अवधि के लिए 4,392.92 वर्ग मीटर क्षेत्र को कवर करते हुए कुल 210 कोचों वाले 17 ईएमयू रेकों की बाहरी दीवार की सतह (खिड़की के नीचे) पर विनाइल रैपिंग के माध्यम से विज्ञापनों का प्रदर्शन किया जाएगा। इनमें 15 ईएमयू रेक प्रत्येक में 12 कोचों के साथ (कुल 180 कोच) और 2 ईएमयू रेक प्रत्येक में 15 कोचों के साथ (कुल 30 कोच) शामिल हैं।	1826	10-11-25 16:10:00
6	ADVT-EBW-S1-16EMUExt-25-1 (Advertising-Train Exterior (Below Window))	मुंबई मंडल पश्चिम रेलवे पर 5 वर्षों की अवधि के लिए 16 ईएमयू रेकों की बाहरी दीवार की सतह (खिड़की के नीचे) पर विनाइल रैपिंग के माध्यम से विज्ञापनों का प्रदर्शन, कुल 204 कोच, जिनमें 12 ईएमयू रेक प्रत्येक में 12 कोच (कुल 144 कोच) और 4 ईएमयू रेक प्रत्येक में 15 कोच (कुल 60 कोच) शामिल हैं, जो कुल 4,270.75 वर्ग मीटर क्षेत्र को कवर करते हैं।	1826	10-11-25 16:20:00
7	ADVT-BCT-BYR-OSN-429-25-1 (Advertising-On Station Premise (Non-Digital))	भयंदर (बीवाईआर) स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) पर तीन वर्ष की अवधि के लिए थोक विज्ञापन अधिकार।	1096	10-11-25 16:30:00

संपर्क विवरणः लैंडलाइन नंबरः 02267644212, ईमेल आईडीः acmadvtgbct@gmail.com
नोटः संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉट-वार विवरण नीचे दिए गए कैटलॉग में उपलब्ध हैं। 0727

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: x.com/WesternRly

राज्य में 25 लाख हेक्टेयर भूमि प्राकृतिक खेती के अंतर्गत लाई जाएगी- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

प्राकृतिक खेती से स्थायी कृषि क्रांति आएगी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'जलवायु परिवर्तन के कृषि पर गंभीर प्रभाव को देखते हुए, प्राकृतिक खेती इसका सबसे प्रभावी समाधान है।' उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती, जैविक खेती की तरह ही नहीं है, बल्कि यह अधिक टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल है। राज्य सरकार ने 2014 में प्राकृतिक खेती मिशन की यह पहल शुरू की थी, लेकिन उस समय प्राकृतिक और जैविक दोनों खेती को एक साथ लागू किया गया था। प्राकृतिक और जैविक खेती के तरीकों में कोई अंतर नहीं था। हालाँकि, राज्यपाल आचार्य देवव्रत के मार्गदर्शन में, राज्य सरकार ने 2023 तक महाराष्ट्र में 25 लाख हेक्टेयर भूमि को प्राकृतिक खेती के अंतर्गत लाने का संकल्प लिया है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'किसानों की समस्याओं की जड़ बढ़ती उत्पादन लागत है। उत्पादन लागत कम करके और उत्पादकता बढ़ाकर ही कृषि लाभदायक बन सकती है। प्राकृतिक खेती इसका सबसे अच्छा समाधान है, क्योंकि हम प्रकृति द्वारा प्रदत्त उर्वरकों, कीटनाशकों और पोषक तत्वों का उपयोग कर सकते हैं।' कृषि के जैविक चक्र में गाय के गोबर के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, 'गाय का हमारी संस्कृति में उच्च स्थान है, क्योंकि यह कृषि को जीवित रखती है। भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने भी संविधान में गौ संरक्षण के सिद्धांत पर प्रकाश डाला, क्योंकि गाय का गोबर प्राकृतिक कृषि का मुख्य आधार है।' गोमूत्र, गोबर और पशुओं के मल से प्राप्त पोषक तत्व कृषि में जैविक संतुलन बनाए रखते हैं।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने वर्तमान रासायनिक खेती के कारण खाद्य पदार्थों में विषाक्त तत्वों की वृद्धि का उल्लेख करते हुए कहा, 'आज कैंसर जैसी बीमारियों के मामले बढ़ रहे हैं। प्राकृतिक खेती से तैयार भोजन स्वास्थ्यवर्धक और स्वादिष्ट होता है। जिस प्रकार राज्यपाल देवव्रत की प्रेरणा से गुजरात राज्य प्राकृतिक खेती का केंद्र बना, उसी प्रकार हम महाराष्ट्र को भी प्राकृतिक खेती का केंद्र बनाएंगे। इस आंदोलन के माध्यम से हम किसानों के जीवन में बदलाव लाएंगे।'

कांदिवली में पटाखे को लेकर मचा हंगामा, पुलिस ने कस्टडी में लिए तीन आरोपी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई के कांदिवली (पश्चिम) इलाके में दिवाली की रात पटाखे फोड़ने को लेकर दो समुदायों के बीच हुए विवाद में अब पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. झगड़े और मारपीट के आरोप में तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया है. कांदिवली पुलिस ने उन्हें न्यायालय में पेश कर 5 दिन की पुलिस कस्टडी हासिल की है.

पटाखा फोड़ने से शुरू हुआ झगड़ा, बढ़ा विवाद

घटना 20 अक्टूबर की रात लगभग 10:15 बजे की है. शिकायतकर्ता मित दिनेश झाला (उम्र 19 वर्ष) अपने चचेरे भाई और दोस्तों के साथ महावीर नगर, कांदिवली (पश्चिम) में पटाखे फोड़ रहे थे. इसी दौरान उनकी एक परिचिता युवती ज़ील पटेल उनसे मिलने वहां पहुंचीं. थोड़ी देर बाद कुछ स्थानीय युवक मौके पर पहुंचे और कहा-सुनी करने लगे. बात पटाखा फोड़ने से शुरू हुई और मारपीट में बदल गई. युवती जब कार से वहां से जा रही थी, तब कुछ युवकों ने उसकी कार की खिड़कियों पर हाथ मारा. जब शिकायतकर्ता ने इसका विरोध किया, तो विवाद बढ़ गया और लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला किया गया.

कई घायल, युवक को आई गंभीर चोटें

हमले में मित झाला, उनके चचेरे भाई आदित्य, और दो अन्य युवक घायल हुए. मित झाला के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं. उन्हें तुरंत शताब्दी अस्पताल में भर्ती कराया गया.

तीन आरोपी गिरफ्तार, चौथा फरार

पुलिस ने तफ्तीश के बाद तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया हैः सौरभ शंकर पोद्दार (20 वर्ष) - निवासी इंदिरा नगर, कांदिवली (प.), सुजल सचिन राठोड (20 वर्ष) - निवासी मंटनपाड़ा, कांदिवली (प.), और हार्दिक चंद्रकांत पाटिल (19 वर्ष) - निवासी समता नगर, कांदिवली (पू.). तीनों को 21 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया और भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 109(1), 118(2), 115(2) समेत कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया है.

कांदिवली पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने लाठी (लकड़ी का डंडा) और पत्थरों से हमला किया. एक आरोपी के पास से सबूत स्वरूप वीडियो फुटेज भी मिला है जो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था. पुलिस के अनुसार, यह हमला जानलेवा इरादे से किया गया था, इसलिए मामला अब गंभीर धाराओं में दर्ज किया गया है. पुलिस ने तीनों आरोपियों को बोरीवली के छुट्टी न्यायालय में पेश किया, जहां अदालत ने उन्हें 5 दिन की पुलिस कस्टडी (24 अक्टूबर तक) में भेजने का आदेश दिया है. पुलिस अब घटना में शामिल चौथे आरोपी की तलाश कर रही है और हमले में इस्तेमाल हथियार बरामद करने की कोशिश जारी है।

प्राकृतिक खेती की आवश्यकता के प्रति जन जागरूकता आवश्यक - उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि राज्यपाल देवव्रत स्वयं एक किसान हैं और लगभग 200 एकड़ भूमि पर प्राकृतिक खेती कर रहे हैं और उनका अनुभव बहुमूल्य है। यह राज्य के लिए सौभाग्य की बात है कि महाराष्ट्र को एक ऐसा राज्यपाल मिला है जो प्राकृतिक खेती के प्रति समर्पित है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने जनप्रतिनिधियों को प्राकृतिक खेती का महत्व समझाने के लिए एक सम्मेलन आयोजित करने का निर्देश दिया था। प्राकृतिक खेती की आवश्यकता और भ्रांतियों को पहचानकर प्राकृतिक खेती के लिए कदम उठाना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि लोगों में यह भ्रांति है कि 'उत्पादन कम हो जाएगा', इसे दूर करने के लिए जन जागरूकता, प्रचार और लोगों के अनुभव आवश्यक हैं।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि राज्यपाल स्वयं प्राकृतिक खेती का महत्व समझाने के लिए राज्य का दौरा करेंगे। यह सम्मेलन भाग लेने वाले किसानों और जानकार लोगों के ज्ञान में वृद्धि करेगा। जनप्रतिनिधियों को इस सम्मेलन को राजभवन तक सीमित न रखकर अपने-अपने विभागों में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'विज़न' है कि अधिक से अधिक किसान समूह खेती के माध्यम से प्राकृतिक खेती की ओर रुख करें, और महाराष्ट्र भी इसमें योगदान दे रहा है। वर्तमान जलवायु परिवर्तन को देखते हुए, प्राकृतिक खेती सम्मेलन और संवाद की नितांत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हम भी किसान हैं और कृषि में अभिनव प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जलतर के श्री श्री रविशंकर, नाम फाउंडेशन, नानासाहेब धर्माधिकारी प्रतिष्ठान जैसे धर्मार्थ संगठन भी प्राकृतिक खेती के महत्व को लेकर आश्वस्त हैं, और उनका सहयोग लेने की आवश्यकता है। राज्य को प्राकृतिक खेती में राज्यपाल के अनुभव का लाभ उठाना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने भी कहा कि हमें प्राकृतिक खेती की ओर रुख करना चाहिए और राज्य के किसानों के जीवन में बदलाव लाना चाहिए।

राजभवन सचिव डॉ. प्रशांत नारनवारे ने प्रस्तावना प्रस्तुत की, जबकि उप सचिव एस. राममूर्ति ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। राजभवन की रॉयल प्रोटोकॉल अधिकारी अर्चना गायकवाड़ ने कार्यक्रम का संचालन किया।

'प्राकृतिक खेती' जलवायु परिवर्तन संकट का एकमात्र समाधान है- राज्यपाल आचार्य देवव्रत

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। प्राकृतिक खेती प्रकृति के नियमों पर आधारित है। यह कृषि पद्धति जल की खपत को 50 प्रतिशत तक कम करती है और भूजल स्तर को बढ़ाती है। प्राकृतिक खेती जलवायु परिवर्तन के संकट का समाधान है और इस खेती में उत्पादन लागत कम होती है और उत्पादन अच्छा होता है। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि मिट्टी में सूक्ष्म पोषक तत्वों की सुरक्षा के साथ-साथ पर्यावरण, प्रत्येक व्यक्ति के स्वास्थ्य, जल और मिट्टी की सुरक्षा की यह पद्धति किसानों के लिए लाभकारी है।

राज्यपाल आचार्य देवव्रत राजभवन में प्राकृतिक खेती सम्मेलन में बोल रहे थे। सम्मेलन में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, विधान परिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे, विधान परिषद की उपसभापति डॉ. नीलम गोरहे सहित सांसद और मंत्रिमंडल के सदस्य उपस्थित थे।

राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा, 'मैंने कुरुक्षेत्र के एक गुरुकुल में 35 वर्षों तक प्रधानाचार्य के रूप में कार्य किया है।' यहां भी हम रासायनिक खेती कर रहे थे, लेकिन कीटनाशक के प्रयोग के दुष्प्रभावों के कारण हमने रासायनिक खेती छोड़ दी। मैंने विभिन्न विशेषज्ञों से चर्चा की और प्राकृतिक खेती के बारे में जाना। मेरा अनुभव है कि इससे अच्छी आय होती है। भोजन का विषय सभी के जीवन से जुड़ा है। आज की खेती के तीन प्रकार हैं रासायनिक, जैविक (ऑर्गेनिक) और प्राकृतिक खेती। शोध से सिद्ध हुआ है कि जैविक खेती में उत्पादन कम होता है, जबकि प्राकृतिक खेती में उत्पादन कम नहीं होता। दोनों में मूलभूत अंतर है। जैविक खेती के लिए बड़ी मात्रा में गोबर और वर्मीकम्पोस्ट की आवश्यकता होती है, प्राकृतिक खेती प्रकृति के नियमों पर आधारित है। जिस प्रकार जंगल में बिना कोई खाद या पानी डाले पेड़ पौधे तेजी से बढ़ते हैं, उसी पद्धति को कृषि में लागू किया जाता है। इसमें कोई रासायनिक या कृत्रिम हस्तक्षेप नहीं होता है, लेकिन मिट्टी में सूक्ष्मजीवों का संतुलन बना रहता है इसलिए, प्राकृतिक खेती न केवल किसानों के लिए, बल्कि सभी के लिए आवश्यक है, राज्यपाल देवव्रत ने कहा।

राज्यपाल देवव्रत ने कहा कि यदि सभी खेतों में प्राकृतिक खेती के तरीके अपनाए जाएँ, तो खेतों का पानी मिट्टी में अवशोषित हो जाएगा। इससे हमें बाढ़ और सूखे, दोनों से बचाव होगा। मिट्टी में केंचुए प्रकृति का एक अद्भुत उपहार हैं। ये केंचुए मिट्टी में छेद करके उसे हवादार बनाते हैं, पानी सोखने में मदद करते हैं और मिट्टी को नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश जैसे पोषक तत्व प्रदान करते हैं। एक केंचुआ अपने जीवनकाल में 50,000 नए केंचुए पैदा करता है और मिट्टी के 'कार्बनिक कार्बन' को बढ़ाता है। यह प्रक्रिया जंगल में प्राकृतिक रूप से होती है। - वहाँ पेड़ों को कोई पानी न भी दे, तो भी वे 12 महीने हरे-भरे रहते हैं। क्योंकि वहाँ प्रकृति के नियमों का स्वाभाविक रूप से पालन होता है। प्राकृतिक खेती में, बिना रासायनिक खादों के उपयोग के, देशी गायों के गोबर और मूत्र से जीवामृत नामक एक प्राकृतिक पदार्थ तैयार किया जाता है। इससे फसलें स्वस्थ रहती हैं, बीमारियाँ कम होती हैं और उत्पादन साल-दर-साल बढ़ता है।

रासायनिक खेती से भूमि बंजर हो जाती है और उत्पादन कम हो जाता है। प्राकृतिक खेती से भूमि पुनः उपजाऊ हो जाती है और लागत शून्य हो जाती है। देशी गायों का संरक्षण होता है और स्वस्थ आहार प्राप्त होता है। पर्यावरण, जल और मृदा - तीनों सुरक्षित रहते हैं।

राज्यपाल देवव्रत ने कहा कि आज की रासायनिक खेती ने हमारे भोजन, जल और वायु को विषाक्त कर दिया है। रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से मृदा का कार्बनिक कार्बन समाप्त हो रहा है।

चित्रांश महापरिवार द्वारा श्री चित्रगुप्त पूजनोत्सव की रजत जयंती हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

मुंबई। मुंबई के मीरा रोड की प्रमुख सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था 'चित्रांश महापरिवार' द्वारा भारतीय संस्कृति के महापर्व दीपावली के अवसर पर श्री चित्रगुप्त पूजनोत्सव के रजत जयंती समारोह का भव्य आयोजन गुरुवार , 23 अक्टूबर, 2025 को मुंबई के मीरा रोड (पूर्व) स्थित सुरभि जिमखाना परिसर में बड़ी ही श्रद्धा, गरिमा एवं हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। यह जानकारी देते हुए चित्रांश महापरिवार के वरिष्ठ प्रतिनिधि राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि इस भव्य समारोह में चित्रांश समाज के लगभग 300 सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने भगवान चित्रगुप्त की आराधना कर समाज की एकता, संस्कृति और परम्परा के प्रति अपनी गहरी आस्था प्रकट की। पूजनोत्सव के रजत जयंती समारोह का शुभारम्भ वैदिक मंत्रोच्चार और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। भव्य रूप से सजाये गये मंच पर समाज के बच्चों और युवाओं ने सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी, जिसमें भक्ति और सांस्कृतिक विविधता का अद्भुत संगम देखने को मिला। सदस्यों द्वारा एकल और समूह गीत की प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। समारोह के दौरान चित्रांश समाज की उभरती प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। दसवीं और बारहवीं कक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। श्री सिन्हा ने बताया कि इस पहल ने चित्रांश समाज में शिक्षा के बढ़ते हुए महत्व को रेखांकित किया और नई पीढ़ी को उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उपस्थित विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिन्ह और कोर समिति के सदस्यों को अंगवस्त्र प्रदान कर उनके योगदान का सम्मान किया गया। समारोह का विशेष आकर्षण संस्था के मुख्य संरक्षक अशोक सिन्हा की गरिमामयी उपस्थिति रहा।उन्होंने चित्रांश महापरिवार की छठ पूजा करने वाली सभी महिलाओं को श्रद्धास्वरूप एक साड़ी एवं पूजन सामग्री भेंट कर उनके भावनात्मक समर्पण को सम्मानित किया। उनके इस योगदान ने समाज में सेवा और एकता की भावना को और सशक्त बनाया। पूरे आयोजन को सफल बनाने में संस्था के अध्यक्ष बी. आर. सिन्हा, सचिव अजीत वर्मा और कोर समिति के सभी सदस्यों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। उनके संयुक्त प्रयासों, सामंजस्य और समर्पण ने समारोह को सुव्यवस्थित और यादगार बना दिया। एक एक विशेष आकर्षण था समारोह की स्मारिका का प्रकाशन। इस सुंदर और संग्रहणीय स्मारिका का सम्पादन वरिष्ठ साहित्यकार राजेश कुमार सिन्हा ने किया तथा इसमें अजीत वर्मा का प्रमुख सहयोग रहा। स्मारिका में संस्था की गतिविधियों, समाज के प्रबुद्ध विचारों और सांस्कृतिक मूल्यों का संकलन किया गया है, जो भविष्य में समाज के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। पूरे समारोह में श्रद्धा, समर्पण, और समाज के प्रति एकता की भावना स्पष्ट रूप से झलकती रही। सभी उपस्थित सदस्यों ने ईश्वर से यह प्रार्थना की कि चित्रांश समाज सदैव संगठित, सशक्त और प्रगतिशील बना रहे तथा भगवान चित्रगुप्त जी का आशीर्वाद सभी पर सदा बना रहे।

मध्य रेलवे मुंबई-नागपुर और पुणे-नागपुर के बीच 18 अतिरिक्त विशेष ट्रेनें चलाएगा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

दिवाली त्यौहारी सीज़न के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए मध्य रेलवे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) - नागपुर और पुणे-नागपुर के बीच 18 अतिरिक्त विशेष ट्रेनें चलाएगा।

विवरण नीचे दिया गया हैः

1. डसीएसएमटी-नागपुर-सीएसएमटी विशेष (6 सेवाएँ)

01011 विशेष ट्रेन 26.10.2025 को 00.20 बजे सीएसएमटी से प्रस्थान करेगी। 28.10.2025 और 30.10.2025 को उसी दिन 16.05 बजे नागपुर पहुँचेगी (3 सेवाएँ) 01012 विशेष ट्रेन 26.10.2025 को 22.10 बजे नागपुर से प्रस्थान करेगी। 28.10.2025 और 30.10.2025 को प्रस्थान करेंगी और अगले दिन 14.05 बजे सीएसएमटी पहुँचेंगी (3 सेवाएँ) ठहरावः दादर, ठाणे, कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, मनमाड, चालीसगाँव, पचोरा, जलगाँव, भुसावल, मलकापुर, शेगांव, अकोला, मुर्तिजापुर, बडनेरा, धामनगाँव और वर्धा। संरचनाः 2 एसी 2-टियर, 1 एसी 3-टियर, 12 स्लीपर क्लास, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन

2. पुणे-नागपुर-पुणे स्पेशल (6 सेवाएँ)

01409 स्पेशल 25.10.2025 को 20.30 बजे पुणे से प्रस्थान करेगी। 27.10.2025 और 29.10.2025 को नागपुर से प्रस्थान करेगी और उसी दिन 14.05 बजे नागपुर पहुँचेगी (3 सेवाएँ) 01410 स्पेशल ट्रेन 26.10.2025 को नागपुर से 16.10 बजे प्रस्थान करेगी। 28.10.2025 और 30.10.2025 को नागपुर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11.45 बजे पुणे पहुँचेगी (3 सेवाएँ) संरचनाः 1 एसी 2-टियर, 11 स्लीपर क्लास, 7 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन 3. पुणे-नागपुर-पुणे स्पेशल (6 सेवाएँ) 01401 स्पेशल ट्रेन 26.10.2025 को पुणे से 20.30 बजे प्रस्थान करेगी। 28.10.2025 और 30.10.2025 को प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14.05 बजे नागपुर पहुँचेगी (3 सेवाएँ) 01402 विशेष ट्रेन 27.10.2025 को 16.10 बजे नागपुर से प्रस्थान करेगी। 29.10.2025 और 31.10.2025 को प्रस्थान करेंगी और अगले दिन सुबह 11.45 बजे पुणे पहुँचेंगी (3 सेवाएँ)

संरचनाः 1 एसी 2-टियर, 1 एसी 3-टियर, 13 स्लीपर क्लास, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन

01409/10 और 01401/02 के लिए ठहरावः दौंड कॉर्ड लाइन, अहिल्यानगर, बेलापुर, कोपरगाँव, मनमाड, चालीसगाँव, पचोरा, जलगाँव, भुसावल, मलकापुर, शेगांव, अकोला, मुर्तिजापुर, बडनेरा, धामनगाँव और वर्धा।

आरक्षणः उपरोक्त ट्रेनों के लिए बुकिंग सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट www.irctc.co.in पर उपलब्ध है।इन विशेष ट्रेनों के ठहराव और समय की विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ या NTES ऐप डाउनलोड करें।

सतारा ज़िले के सखारवाड़ी और पुणे ज़िले के कुंजिरवाड़ी को जैव विविधता संरक्षण हेतु केंद्र सरकार से धनराशि

मुंबई।भारत की समृद्ध जैविक विरासत की रक्षा करने और स्थानीय समुदायों को उनके योगदान का लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण ने महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में जैव विविधता संरक्षण के लिए 1 करोड़ 36 लाख रुपये की धनराशि जारी की है। इसमें महाराष्ट्र के सतारा ज़िले के फलटन तालुका के सखारवाड़ी और पुणे ज़िले के हवेली तालुका के कुंजिरवाड़ी गाँवों को विशेष महत्व दिया गया है। इन गाँवों को 45.50-45 लाख रुपये की धनराशि मिलेगी।

राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण ने इस धनराशि को महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के राज्य जैव विविधता बोर्डों के माध्यम से वितरित करने का निर्णय लिया है। इसके अंतर्गत, सखारवाड़ी (सतारा), कुंजिरवाड़ी (पुणे) और उत्तर प्रदेश के एटा ज़िले के कासगंज क्षेत्र की जैव विविधता प्रबंधन समितियों को धनराशि प्राप्त होगी। यह धनराशि जैव विविधता अधिनियम, 2002 की धारा 44 और संबंधित राज्य जैव विविधता नियमों के अंतर्गत वितरित की जा रही है। यह धनराशि एक व्यावसायिक संगठन द्वारा मिट्टी और औद्योगिक अपशिष्ट जल के नमूनों से प्राप्त सूक्ष्मजीवों के उपयोग से प्राप्त फ्रुक्टो-ओलिगोसेकेराइड्स, जो कि प्रीबायोटिक घटक हैं, के उत्पादन के लिए प्रतिपूर्ति के रूप में वितरित की जा रही है। इस निधि के माध्यम से स्थानीय समुदायों को जैव विविधता के संरक्षण के नए अवसर प्रदान करेगी, जिससे संरक्षण और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा।

सम्पादकीय

रोहिणी में 'सिग्मा' का खात्मा, पर सवाल बाकी - अगला गिरोह कौन होगा? क्या बिहार में खत्म होगी अपराध की राजनीति?

दिल्ली के रोहिणी इलाके में एक मुठभेड़ के दौरान पुलिस के हाथों चार वांछित अपराधियों के मारे जाने की घटना कानून-व्यवस्था और आपराधिक तत्त्वों पर काबू पाने के लिहाज से पुलिस की बड़ी उपलब्धि है। मगर इस मुठभेड़ की अहमियत इसलिए ज्यादा है कि मारे गए अपराधियों की मंशा बिहार में विधानसभा चुनावों के दौरान किसी बड़ी हिंसक वारदात के जरिए दहशत फैलाने की थी! 'सिग्मा गिरोह' के नाम से कुख्यात अपराधियों का जबरन वसूली से लेकर भयादोहन और हत्या जैसे जघन्य अपराधों को अंजाम देने का एक बड़ा जाल था और लंबे समय से पुलिस को उनकी तलाश थी।

इसी क्रम में बिहार के सीतामढ़ी जिले की पुलिस की सूचना और दिल्ली पुलिस के साथ एक सुनियोजित अभियान के साथ रोहिणी इलाके में कार में जा रहे इन अपराधियों को रोका गया। लेकिन जब अपराधियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, तब पुलिस ने भी जवाब दिया। माना जा रहा है कि पुलिस की इस कामयाबी के साथ बिहार के अपराध जगत में वर्चस्व कायम करने के लिए आतंक का माहौल खड़ा करने वाले 'सिग्मा गिरोह' का खात्मा हो गया है, लेकिन इससे जुड़ा एक प्रश्न गंभीर है और इसका दायरा काफी बड़ा है।

दरअसल, इस संबंध में आई खबरों के मुताबिक, बिहार पुलिस ने यह जानकारी साझा की थी कि एक फोन काल में इस गिरोह का सरगना अपने साथियों से बिहार में चुनाव से पहले दहशत फैलाने की बात कर रहा था। यह एक ऐसा पहलू था, जो समूचे बिहार के चुनाव को बुरी तरह प्रभावित कर सकता था। इसलिए बिहार पुलिस ने अगर इस आधार पर बिना देर किए सक्रियता दिखाई और दिल्ली पुलिस से तालमेल कर इस अभियान को कामयाब बनाया तो निश्चित रूप से यह बड़ी उपलब्धि है। बिहार में चुनाव और अपराध का इतिहास जगजाहिर रहा है।

अमूमन हर चुनाव के दौरान कुछ नेताओं की ओर से अपने प्रतिद्वंद्वियों को मात देने के लिए हर तरह के हथकंडे का सहारा लेने के किस्से आम रहे हैं, जिसमें किसी अपराधी को सुपारी देकर दहशत फैलाने से लेकर हत्या या इसके लिए कोशिशें तक शामिल थीं। इसका नतीजा यह होता था कि एक ओर कोई उम्मीदवार अपने कदम पीछे खींच लेता था, तो दूसरी ओर मतदाताओं के बीच भी भय का माहौल व्याप्त हो जाता था। इसका सीधा असर चुनाव, मतदान की प्रक्रिया और नतीजों पर पड़ता था।

अंदाजा लगाया जा सकता है कि अगर दिल्ली में मारे गए 'सिग्मा गिरोह' के चार अपराधियों का मकसद अगर इसी तरह की घटना को अंजाम देना था, तो एक बार फिर बिहार के चुनावों में कैसी तस्वीर देखने को मिलती। खबरों के मुताबिक, यह कुख्यात गिरोह बिहार से लेकर नेपाल सीमा तक फैला हुआ था और इसके सदस्य सोशल मीडिया के जरिए भी अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश करते थे। साथ ही ये लोग बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश में रंगदारी, सुपारी लेकर हत्या और अवैध हथियार आपूर्ति जैसे अपराधों में लिप्त थे। इस गिरोह के खात्मे के बाद थोड़ी राहत महसूस की जा सकती है, लेकिन इसकी क्या गारंटी है कि बिहार में ऐसे दूसरे गिरोह सक्रिय नहीं हैं। पिछले कुछ वर्षों के दौरान बिहार में अपराधों का ग्राफ इस कदर तेज रफ्तार से बढ़ा है कि इसे लेकर हर तरफ चिंता जताई जाने लगी है। सरेआम हत्या की कई बड़ी वारदात से यह साफ हुआ कि राज्य में सुशासन का दावा महज एक लुभावना नारा भर है। हालांकि पुलिस अगर ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ काम करे, तो उसके लिए अपराधियों पर शिकंजा कसना बहुत मुश्किल नहीं है।

भारत की अमृत पीढ़ी - 65 फीसदी युवा, एक ही मिशन देश बदलना; आज का यूथ कैसे कर रहा है साकार

भारत दुनिया में सबसे अधिक युवा आबादी वाला देश है। स्वाधीनता के अमृत काल में देश के विकास में योगदान देने वाली युवा शक्ति को 'अमृत पीढ़ी' का नाम दिया गया है। इस पीढ़ी में मुख्य रूप से वे सभी भारतीय युवा सम्मिलित हैं जो पैंतीस वर्ष से कम आयु के हैं। इनकी संख्या कुल आबादी की लगभग पैंसठ फीसद है और ये देश के विकास में योगदान दे रहे हैं और भविष्य को आकार दे रहे हैं।

इस समय भारत की युवा आबादी 'अमृत पीढ़ी' का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। देश के प्रधानमंत्री का कहना है कि अमृत पीढ़ी के सभी सपनों को पूरा करना उनके लिए अनगिनत अवसर पैदा करना और उनके मार्ग में आने वाली सभी बाधाओं को दूर करना सरकार का संकल्प है। इस पीढ़ी के लिए सरकार ने अपने बजट और अन्य प्रकार की योजनाओं के माध्यम से इस दिशा में कई प्रयास किए हैं। मगर घोषित उद्देश्यों और जमीनी स्तर पर खड़ी चुनौतियों के आईने में ही प्रगति का वास्तविक मूल्यांकन हो पाता है। केंद्रीय बजट 2023-24 में अमृत पीढ़ी को प्राथमिकता के रूप में रेखांकित किया गया।

बजट में शिक्षा प्रणाली को और अधिक व्यावहारिक और उद्योग-उन्मुख बनाने के लिए उसके पुनरुद्धार पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा, व्यावसायिक और कौशल प्रशिक्षण पर भी जोर दिया गया। जिसे 'अमृत काल' के रूप में जाना जा रहा है, उसके लिए भारत के दृष्टिकोण में एक मजबूत सार्वजनिक वित्त और एक सुदृढ़ वित्तीय क्षेत्र के साथ प्रौद्योगिकी संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था शामिल है। 'सबका साथ, सबका प्रयास' के माध्यम से जनभागीदारी इसमें अहम भूमिका निभा सकती है। इस

दृष्टिकोण को साकार करने का आर्थिक एजंडा मुख्य रूप से तीन बातों पर केंद्रित है। नागरिकों, विशेषकर युवाओं को अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करना, विकास एवं रोजगार सृजन को प्रोत्साहन देना और व्यापक आर्थिक स्थिरता को मजबूत करना।

पिछले एक दशक में देश में विद्यालयों से लेकर विश्वविद्यालयों ने अपनी शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने में प्रगति की है। आइआइटी, आइआइएम और एम्स जैसे संस्थानों में सुधार और विस्तार के साथ सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण और भविष्य के लिए शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रयास किए गए हैं। इन प्रयासों से उच्च शिक्षा संस्थानों की संख्या में 13.8 फीसद की वृद्धि देखी गई है, जो वर्ष 2014-15 में 51, 534 से बढ़ कर मई 2025 तक 70, 683 हो गई है। इसमें विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी और अनुसंधान एवं विकास संस्थान शामिल हैं। आंकड़ों के मुताबिक, विश्वविद्यालयों की संख्या वर्ष 2014-15 में 760 थी, जो बढ़ कर मई 2025 तक 1, 334 हो गई। उच्च शिक्षा की बढ़ती मांग को पूरा करते हुए कालेजों की संख्या वर्ष 2014-15 में 38, 498 से बढ़ कर मई 2025 तक 51, 959 हो गई। वर्ष 2014 में सोलह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान थे। इनकी संख्या मई 2025 तक बढ़ कर तेईस बताई जा रही है।

इसी तरह, वर्ष 2014 में तेरह भारतीय प्रबंधन संस्थान थे, जिनकी संख्या मई 2025 तक बढ़ कर इक्कीस हो गई। वर्ष 2014 तक एम्स की संख्या सात थी जो बढ़ कर अब तेईस हो गई है। सरकार का मानना है कि ये सभी युवा पीढ़ी के सपनों को साकार करने की दृष्टि से अहम कार्य कर रहे हैं। बजट 2023-24 के अंतर्गत अगले तीन वर्षों में लाखों युवाओं को कौशल प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 शुरू की गई। नौकरी के लिए प्रशिक्षण, उद्योग की साझेदारी और उद्योग की जरूरतों के साथ पाठ्यक्रमों के निर्माण पर जोर दिया गया। इस योजना के तहत नए दौर के तमाम कौशल को पाठ्यक्रमों में शामिल किया जाएगा।

इसमें कोई दो राय नहीं कि भारत सबसे अधिक युवा आबादी वाले देशों में से एक है। मगर इसका अधिकतम लाभ उठाने के लिए जरूरी है कि युवाओं को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप कौशल में प्रशिक्षित किया जाए। इन्हीं प्रयासों के अंतर्गत प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 2015 में अब तक 1.63 करोड़ युवाओं को विविध कौशल क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया किया जा चुका है। यह कौशल योजना देश के युवाओं को लघु अवधि प्रशिक्षण और पूर्व शिक्षण के माध्यम से कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। वर्ष 2020-21 में 7.37 लाख युवाओं को प्रशिक्षित किया गया।

अमृत पीढ़ी को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की लागत निरंतर बढ़ने के कारण इस पीढ़ी के सामने आर्थिक सुरक्षा की चुनौतियां हैं। पारंपरिक रोजगार की जगह असुरक्षित और कम पगार वाली नौकरियां बढ़ रही हैं जिससे वित्तीय स्थिरता में कमी आ रही है। ऋण की कम उपलब्धता, स्थिर वेतन की कमी और बेरोजगारी के कारण ऐसे युवाओं को परिवार चलाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। बहुत से युवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार रोजगार नहीं मिल पाता।

नतीजतन, उनको कम स्तर की नौकरियों में काम करने पर मजबूर होना पड़ता है। युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं जैसे चिंता, तनाव और अवसाद एक बड़ी चुनौती के रूप में उभर रही हैं। इससे उनकी उत्पादकता प्रभावित होती है। कई युवाओं को भ्रमित करने वाले माहौल का सामना करना पड़ता है, जहां उन्हें सही मार्गदर्शन नहीं मिल पाता और इस कारण वे नशाखोरी और अपराध जैसे गलत रास्तों पर चले जाते हैं। इंटरनेट पर कुछ सामग्री भी युवाओं को भटकाव की ओर ले जाती है, जिससे उनके पारिवारिक रिश्तों पर असर पड़ता है और वे अपने लक्ष्यों से भटक जाते हैं।

देश की युवा पीढ़ी के सामने खड़ी इन समस्याओं का समाधान करना आवश्यक है। युवाओं के लिए स्थिर और गुणवत्तापूर्ण रोजगार, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक समृद्ध एवं किफायती बनाने की जरूरत है। इसके लिए व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा पर जोर देना चाहिए, ताकि उद्योग व्यवसाय की आवश्यकता के अनुरूप युवा अपने कौशल का विकास कर सकें और आधुनिक अर्थव्यवस्था में योगदान दे सकें। युवाओं को अवसाद और अन्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के लिए सहायता और परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

आज की युवा पीढ़ी में नशे की समस्या विकराल हो रही है। इससे करोड़ों युवाओं का भविष्य खतरे में है। सवाल है कि नशे के फैलते दायरे में उलझ रही अमृत पीढ़ी को उसके हाल पर छोड़ कर उनके सहारे कैसा भविष्य बनाने की उम्मीद की जा रही है। यह जरूरी है कि मादक पदार्थों की बिक्री पर सख्ती से रोक लगाई जाए और नशे के दुष्परिणामों के बारे में युवाओं को जागरूक किया जाए।

इसके अलावा, युवाओं में नैतिक मूल्य भरने के साथ जीवन में हर परिस्थिति का सामना करना सिखाना चाहिए। इस कार्य में प्रेरणा देने वाले व्यक्तियों और रोजगार-स्वरोजगार में मार्गदर्शन देने वाले लोगों और संस्थाओं की अहम भूमिका हो सकती है। माता-पिता को अपने बच्चों के साथ अधिक से अधिक गुणवत्तापूर्ण समय बिताना चाहिए और उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाने का प्रयास करना चाहिए।

सरकार को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में निवेश बढ़ाना चाहिए। युवाओं की समस्याओं को हल करने के लिए व्यापक नीतियों का निर्माण और उनका क्रियान्वयन करना चाहिए।

मां 2.0- तकनीक, करियर और ममता का नया संतुलन, बदलते दौर की नई पाठशाला

देश, समाज, परिवार- यह सब हमारे जीवन की आधारशिला हैं। हम पैदा होने के बाद पलने-बढ़ने से लेकर बड़े होने और अपना जीवन जीने तक जो भी हासिल करते हैं, जो भी हमें समाज और परिवार से मिलता है, वह सब आखिरकार हमारे व्यक्तित्व को गढ़ता है। सवाल है कि इन सबके बीच कौन ऐसा चेहरा होता है, जो हमारे जीवन के हर पल को सुख और सुकून से भर देने के लिए न केवल दुनिया के सामने खड़ा हो जाता है, बल्कि अपना भी सब कुछ त्याग देने को तैयार हो जाता है। हम चारों ओर अपनी नजर घुमाएं। क्या हमें अपनी मां के सामने कोई और दिखाई देता है?

दरअसल, मां एक ऐसा शब्द है, जिसे सुनते ही हमारा हृदय करुणा और प्रेम के साक्षात दर्शन करता है। मगर मां सिर्फ संबोधन नहीं है, बल्कि एक संपूर्ण संसार है। हमारे जीवन की आधारशिला है। गर्भ काल से लेकर हमें जन्म देने तक से बहुत आगे। जब तक मां का जीवन है, मां अपने बच्चे के लिए एक सुरक्षित आंचल प्रदान करती है। मां और बच्चे का रिश्ता ही संसार में सबसे निश्छल और ममता से भरा होता है। वह न केवल बच्चे का पालन-पोषण करती है, बल्कि वह बच्चे की प्रथम पाठशाला होती है। यों तो प्रत्येक मां अपने बच्चे को अच्छी शिक्षा, नैतिकता और सुविचारों से पोषित करना चाहती है, लेकिन जमाने के साथ विचारों में भी परिवर्तन आया है। ऐसे में मां का मूल तो वही है, लेकिन पालन-पोषण के तरीके में अंतर पड़ गया है।

आज इंटरनेट, मोबाइल जैसे तकनीक युग और व्यस्ततम जीवनशैली होने के कारण कामकाजी मां अपने बच्चों को उतना समय नहीं दे पाती, जितना कि वह देना चाहती है या फिर उसे देना चाहिए। यह एक मजबूरी हो सकती है, लेकिन यह मजबूरी बच्चों को नैतिकतापूर्ण आचरण, अनुशासित जीवन और अध्ययन के लिए प्रेरित करने से कहीं भी आड़े नहीं आ सकती। अगर मां अपनी इच्छाशक्ति से ऐसा करने की ठान ले।

आधुनिक समय के इस उथल-पुथल से भरे दौर में मां को न केवल अपने-आप को जमाने की कदम ताल से कदम मिलाकर चलना होगा, बल्कि खुद को भी परिपक्व बनाना होगा, ताकि वह बच्चों को ठीक ढंग से आगे बढ़ा सके। इसके अलावा, बच्चों की आवश्यकता, मनोविज्ञान से भी परिवार को और उसके आसपास के सभी लोगों को परिचित होना होगा। बच्चों पर अनुशासन और नैतिकता के मापदंडों को थोपने की जगह उन्हें धीरे-धीरे अपनी और अन्य लोगों की जीवनशैली के द्वारा प्रेरित करना होगा। अगर बच्चा गलत रास्ते पर भी जा रहा हो, तो मां उसे सही राह दिखा सकती है।

कभी प्रेम से, तो कभी डांटकर, कभी समझाइश, तो कभी रूठकर। एक मां ही भावनात्मक स्तर तक पहुंच कर बच्चे का मार्गदर्शन कर सकती है। मां के शरीर से अलग होकर भी बच्चा मां से जुड़ा ही रहता है। संकट में वह मां के आंचल को सबसे ज्यादा सुरक्षित और विश्वसनीय मानता है। इधर मां के जीवन का प्रकाश बच्चा ही होता है। वह उस पर अपना सब कुछ न्योछावर करने के लिए तैयार रहती है। बच्चे के जीवन की थोड़ी-सी भी कठिनाई मां को बहुत बड़ी लगती है।

बच्चे के जीवन को सहारा देना एक अलग बात है, लेकिन उस सहारे के नाम पर कभी भी उसे स्वावलंबी बनने से नहीं रोकना चाहिए। स्वावलंबन ही जीवन में सफलता की पहली सीढ़ी है। अगर मां यह सीढ़ी खुद बनना चाहेगी और प्रेम वश उसे कुछ भी नहीं करने देगी तो बच्चा जीवन में कुछ भी नहीं सीख पाएगा। बच्चे को स्वावलंबी बनाना आमतौर पर सभी मां के जीवन का परम उद्देश्य होता है। जिस प्रकार बालपन में मां बच्चे का ध्यान रखती है, उसी प्रकार बच्चों को भी अपनी वृद्ध मां की देख-रेख खुले हृदय से करनी चाहिए। बच्चे मां द्वारा उनके प्रति किए गए कार्यों का कर्तव्य समझकर भूल जाते हैं। वे भूल जाते हैं कि मां ने रातों को जागकर अपने जीवन की प्रत्येक सफलता, जो उसे मिल सकती थी, उसका त्यागकर उन्हें जीवन दिया है, उनके रास्ते के कांटों को हटाया है। ऐसे में सभी बच्चों की जिम्मेदारी होनी चाहिए कि वे अपनी मां का पूरा खयाल रखे, जिस मां ने उन्हें चलना सिखाया, उसके बुढ़ापे की लाठी बने।

यों मां का कर्ज कोई चुका नहीं सकता। वह अमूल्य है। मगर अपनी कोशिश के जरिए हमें अपने व्यवहार से मां के प्रति श्रद्धा प्रकट करनी चाहिए। समाज में जो मां का उच्च स्थान है, इसका कारण भी यही है कि मां ही ज्ञान, शिक्षा, पोषण और परिवार की धुरी है। मां अपने बच्चे का उचित लालन- पालन कर उसे समाज का एक जिम्मेदार सदस्य बनाती है, जो आगे चलकर इसी समाज की उन्नति का रास्ता खोजता है। एक-एक व्यक्ति के योगदान से समाज उन्नत होता है और अगर कोई समाज इतना उन्नत हो जाए तो ऐसे ही समाज वाला राष्ट्र अपना चहुंमुखी विकास करता है। हमें बुनियादी तौर पर मनुष्य बनाने में हमारी माताओं का ही योगदान रहा है। मनुष्य रूप में जन्म लेना मनुष्य होना नहीं है बल्कि हमें मनुष्य होने के नाते कई गुणों को अपने व्यक्तित्व के अंदर समाहित करना पड़ता है। ऐसे में मां ही हमें अपने विचारों, संस्कारों और अनुशासन की सीख देकर मनुष्य बनाती है। मां सिर्फ संबोधन नहीं है, वह हमारी आधारशिला है, जीवन की पहली पाठशाला है और उसी की वजह से हमारा अस्तित्व है।

बिहार चुनावः मुद्दों एवं मूल्यों से दूर भागती राजनीति

बिहार में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। हर दल अपने-अपने घोषणापत्र, नारों और वादों के साथ जनता को लुभाने में जुटा है। मंचों पर भाषणों की गरमी है, प्रचार रथ दौड़ रहे हैं, लेकिन इस शोर में सबसे बड़ी कमी है- जनता के असली मुद्दों की आवाज़। राजनीति का यह शोर विकास की असली जरूरतों को दबा रहा है। बिहार जैसे राज्य में जहां गरीबी, बेरोजगारी, अपराध, और सामाजिक पिछड़ापन अब भी विकराल रूप में मौजूद हैं, वहां चुनावी विमर्श का इनसे विमुख होना चिंताजनक है। यह लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व चुनाव का विरोधाभास ही नहीं, दुर्भाग्य है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर क्यों बिहार चुनाव में कोई भी दल उन मुद्दों को ईमानदारी से नहीं उठा रहा जो सीधे-सीधे जनता के जीवन से जुड़े हैं? क्यों शराबबंदी, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, अपराध-माफिया शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे वास्तविक सवाल राजनीतिक एजेंडे से गायब हैं?

बिहार में शराबबंदी एक बड़ा सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा रहा है। यह मुद्दा केवल कानून का नहीं, बल्कि नैतिकता, सामाजिक सुधार और जनजीवन की स्थिरता से जुड़ा हुआ है। शराबबंदी की सफलता या विफलता को लेकर जनता के मन में अनेक प्रश्न हैं, क्योंकि इस नीति ने जहां कई परिवारों को विनाश से बचाया, वहीं भ्रष्टाचार, अवैध तस्करी और पुलिसिया मनमानी को भी जन्म दिया। दिलचस्प यह है कि इस बार के चुनाव में लगभग सभी प्रमुख दल इस मुद्दे से दूरी बनाए हुए हैं। एनडीए खेमे के नेता खुलकर इस पर बोलने से बच रहे हैं। केवल प्रशांत कुमार जैसे कुछ नेता हैं जो पूर्ण शराबबंदी की पुनः स्थापना का नारा उठा रहे हैं। यह सवाल उठता है, अगर शराबबंदी सचमुच जनता के हित में थी, तो सत्ता पक्ष इससे डर क्यों रहा है? क्या यह स्वीकारोक्ति है कि कानून तो बनाया गया, लेकिन उसका क्रियान्वयन असफल रहा? शराबबंदी क्यों जरूरी है, उस महिला से पूछिये, जिसकी बिछुए शराब पीने से लिये उसके पति ने बेच दी। ऐसी त्रासद घटनाएं बिहार के जन-जन में देखने को मिलती है।

वैसे तो हर एक का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। हमारा हर दिन भी कई विरोधाभासों के बीच बीतता है। आज तो हमारी सारी नीतियों में, हमारे सारे निर्णयों में, हमारे व्यवहार में, हमारे कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। लेकिन बिहार चुनाव ऐसे विरोधाभास के कारण कथनी करनी के अंतर का अखाड़ा ही बनते हुए प्रतीत होते हैं। यही कारण है कि हमारे जीवन में सत्य खोजने से भी नहीं मिलता। राजनेताओं एवं राजनीतिक दलों का व्यवहार दोगला हो गया है। उनके द्वारा दोहरे मापदण्ड अपनाने से हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रहे हैं। चुनाव एवं चुनावी मुद्दें समस्याओं के समाधान का माध्यम बनने चाहिए, लेकिन वे समस्याओं को बढ़ाने का जरिये बनते रहे हैं। यही कारण है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला-सुरक्षा, अपराध-नियंत्रण की प्राथमिकता के नारे हमारे लिए स्वप्न ही बने हुए हैं।

ये तो कुछ नमूने हैं जबकि स्वतंत्रता के 78 वर्ष बाद भी हमें अहसास नहीं हो रहा है कि हम स्वतंत्र हैं। राजनीतिक विरोधाभासों और विसंगतियों से उत्पन्न समस्याओं से हम आज़ाद नहीं हुए हैं। हमारे कर्णधारों के चुनावी भाषणों में आदर्शों का व्याख्यान होता है और कृत्यों में भुला दिया जाता है। सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि हम हर स्तर पर वैश्वीकरण व अपने को बाजार बना रहे हैं। अपने को, समय को पहचानने वाला साबित कर रहे हैं। पर हमने अपने आप को, अपने भारत को, अपने बिहार को, अपने पैरों के नीचे की जमीन को नहीं पहचाना। नियति भी एक विसंगति का खेल खेल रही है। पहले जेल जाने वालों को कुर्सी मिलती थी, अब कुर्सी पाने वाले जेल जा रहे हैं। यह नियति का व्यंग्य है या सबक? पहले नेता के लिए श्रद्धा से सिर झुकता था अब शर्म से सिर झुकता है। जिन्दा कौमें पांच वर्ष तक इन्तजार नहीं करतीं, हमने 15 गुना इंतजार कर लिया है। यह विरोधाभास नहीं, दुर्भाग्य है, या सहिष्णुता कहें? जिसकी भी एक सीमा होती है, जो पानी की तरह गर्म होती-होती 50 डिग्री सेल्सियस पर भाप की शक्ति बन जाती है। बिहार इस नियति से कब मुक्त होगा, यही इस चुनावों में विमर्श का सबसे बड़ा मुद्दा होना चाहिए।

बिहार की सबसे बड़ी त्रासदी बेरोजगारी है। लाखों युवाओं के पास न काम है, न अवसर। हर चुनाव में इस पर वादे किए जाते हैं, लेकिन परिणाम लगभग शून्य रहते हैं। प्रदेश के नौजवान पलायन को मजबूर हैं, मजदूरी के लिए दूसरे राज्यों का रुख करते हैं। चुनावी सभाओं में नौकरियों का झांसा तो मिलता है, लेकिन ठोस योजनाएं और नीतियां कहीं दिखाई नहीं देतीं। राजनीतिक दलों के पास न तो रोजगार सृजन की दीर्घकालिक योजना है, न शिक्षा और कौशल विकास को जोड़ने की कोई ठोस रणनीति। चुनावी भाषणों में 'बिहार के विकास' की बातें होती हैं, लेकिन युवा भविष्य की वास्तविक चिंता कहीं नहीं झलकती। बिहार में महिला सुरक्षा, अपराध और माफिया तंत्र का प्रश्न भी उतना ही ज्वलंत है। हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में लगातार वृद्धि हुई है। भूमि विवादों, रंगदारी और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त अपराधियों की गतिविधियाँ अब भी जारी हैं। मगर किसी भी दल की ओर से इन पर कोई ठोस नीति या वचन नहीं दिखाई देता। राजनीतिक दल जानते हैं कि इन विषयों पर बात करना असुविधाजनक है, क्योंकि यह सीधा शासन व्यवस्था की विफलता को उजागर करता है। इसलिए वे इन पर मौन साधे हुए हैं। अपराध और महिला सुरक्षा पर चुप्पी बताती है कि सत्ता प्राप्ति की होड़ में संवेदनशीलता की कोई जगह नहीं बची है। बिहार की राजनीति आज भी जातीय समीकरणों और तुष्टिकरण की जकड़ में फंसी हुई है। विकास और सुशासन की बातें केवल नारों तक सीमित हैं। उम्मीदवार चयन से लेकर प्रचार तक, हर जगह जातीय गणित प्राथमिकता में है। परिणाम यह है कि मुद्दे हाशिये पर चले जाते हैं और वोट बैंक की राजनीति सर्वोच्च स्थान पा लेती है। विकास के नाम पर किए गए बड़े-बड़े दावे चुनाव बीतते ही धुंधले पड़ जाते हैं। गांवों में आज भी सड़कें टूटी हैं, अस्पतालों में डॉक्टर नहीं हैं, स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं, और प्रशासनिक तंत्र भ्रष्टाचार से ग्रस्त है। ऐसे में जब राजनीतिक दल मुद्दों पर संवाद करने के बजाय केवल आरोप-प्रत्यारोप में व्यस्त हों, तो जनता का विश्वास कमजोर पड़ना स्वाभाविक है।

आज बिहार को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो चुनाव को जन-कल्याण के दृष्टिकोण से देखे, न कि केवल सत्ता प्राप्ति की दौड़ के रूप में। शराबबंदी, रोजगार, अपराध-मुक्ति, महिला सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दे बिहार राज्य की आत्मा हैं। इन्हें नज़रअंदाज़ करना, बिहार के भविष्य को अंधेरे में धकेलने जैसा है। विकास का अर्थ केवल सड़कें और पुल नहीं, बल्कि मानव विकास है, जहां हर व्यक्ति सुरक्षित, शिक्षित, रोजगारयुक्त और सम्मानजनक जीवन जी सके। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि जनता अब केवल नारों से नहीं, परिणामों से प्रभावित होती है। बिहार चुनाव हमें यह सोचने पर विवश करता है कि क्या राजनीति अब केवल सत्ता का खेल बनकर रह गई है? क्या लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनसेवा-अब खो गया है? जब जनता के असली मुद्दे, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा और सामाजिक न्याय, चुनावी भाषणों से गायब हो जाएं, तब यह लोकतंत्र के क्षरण का संकेत है। जरूरत है कि राजनीतिक दल फिर से उन बुनियादी प्रश्नों पर लौटें, जिन पर बिहार का वर्तमान और भविष्य निर्भर करता है। यदि वे ऐसा नहीं करते, तो बिहार की जनता का यह चुनाव एक बार फिर केवल चेहरों और गठबंधनों का उत्सव बनकर रह जाएगा, जहाँ जनहित और जनसरोकार फिर से पीछे छूट जाएंगे। बिहार को नारों नहीं, नीतियों की राजनीति चाहिए और यह तभी संभव है, जब मुद्दों पर बात करने का साहस राजनीति में लौट आए।

हाथरस में 80 लाख की चोरी, महिला का रो-रोकर बुरा हाल, पुलिस के हाथ अब तक खाली

लखनऊ **(एजेंसी)**। घर सामान बिखड़ा पड़ा है, चारों तरफ खाली सामान वहीं दूसरी तरफ लोग रो रहे हैं, एक महिला बिलख रही है, क्योंकि सालों जमा किया हुआ आज एक पल में चला गया है.... तो चलिए अब हम आपको पूरी कहानी बताते हैं, दरअसल यूपी के हाथरस में अज्ञात चोरों ने एक घर पर अचानक से धावा बोल दिया।

बताया जा रहा है कि छत के रास्ते से घर में दाखिल हुए अज्ञात चोरों ने घर के कमरे में रखा लाखों का जेवर नगदी लेकर फरार हो गए, परिवार का आरोप चोर 8 तोले सोना और 3 किलो चांदी चोर ले गए, जिसकी बाजार में कीमत करीब 70 से 80 लाख बताई जा रही है, वही घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच की जा रही है। बता दें कि ये पूरी घटना हाथरस गेट क्षेत्र के इगलास रोड की है, जहां चोरों ने इस घटना को अंजाम दिया।

वहीं इस घटना के बाद इलाके के लोग अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता है क्योंकि एक तरफ जहां 80 लाख की चोरी हुई है तो वहीं दूसरी तरफ सवाल उठ रहा है कि कानून का राज चलाने का दावा करने वाली पुलिस के हाथ अभी तक आखिर खाली क्यों है।

व्यापारी से नाक रगड़वाने वाले भाजपा नेता पर गिरी गाज! पार्टी ने सभी पदों से किया बर्खास्त, पुलिस ने लिया बड़ा एक्शन

मेरठ। जिले के तेजगढ़ी चौराहे पर कपड़ा व्यापारी से अभद्रता कर सड़क पर नाक रगड़वाने के आरोप में घिरे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) किसान मोर्चा की जिला इकाई के उपाध्यक्ष विकुल चपराणा के खिलाफ पार्टी ने कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें सभी पदों से हटा दिया है। किसान मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष तेजा गुर्जर ने बुधवार को आदेश जारी कर विकुल को सभी पदों से तत्काल प्रभाव से हटाते हुए उनकी प्राथमिक सदस्यता भी निलंबित कर दी। इस मामले में पुलिस ने विकुल के तीन सहयोगियों हैप्पी भड़ाना, आयुष शर्मा और सुबोध यादव को भी देर रात गिरफ्तार कर लिया, जबकि अन्य की तलाश जारी है।

अधिकारियों के अनुसार, इनके खिलाफ दर्ज मुकदमे में मार्ग अवरुद्ध करने और वाहन में तोड़फोड़ करने की धाराएं भी जोड़ी गई हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. विपिन ताडा ने बताया कि व्यापारी सत्यम रस्तोगी से नाक रगड़वाकर माफी मंगवाने की घटना की जांच पुलिस अधीक्षक (नगर) को सौंपी गई है। विकुल को गिरफ्तारी के बाद अदालत से जमानत मिल गई थी। भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष तेजा गुर्जर ने अपने पत्र में लिखा है कि विकुल का यह आचरण पार्टी की मर्यादा और अनुशासन के विरुद्ध है तथा यह "आपराधिक मानसिकता" को दर्शाता है। घटना के बाद विपक्षी दलों और व्यापारिक संगठनों ने भी मोर्चा खोल दिया है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने ऊर्जा राज्य मंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर से इस्तीफे की मांग की है, जिनका नाम विकुल ने वीडियो में लिया था। सपा के प्रदेश सचिव विपिन चौधरी और वरिष्ठ नेता मुखिया गुर्जर ने प्रदर्शन कर आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट और राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम लगाने की मांग की है।

मेरठ व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष जीतू सिंह नागपाल के नेतृत्व में व्यापारियों ने प्रदर्शन करते हुए कहा कि ऐसे मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि व्यापारी वर्ग में भय का वातावरण समाप्त हो। तेजगढ़ी चौराहे पर एक रेस्तरां के बाहर 19 अक्टूबर रात वाहन पार्क करने को लेकर व्यापारी सत्यम रस्तोगी का भाजपा नेता विकुल चपराणा से विवाद हो गया था, जिसके बाद विकुल ने व्यापारी से जबरन नाक रगड़वाकर माफी मंगवाई।

पूरा घटनाक्रम वीडियो में कैद हो गया, जो बाद में इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो वायरल होने के बाद राजनीतिक हलकों में हड़कंप मच गया और पुलिस ने देर रात विकुल के खिलाफ कार्रवाई कर मामला दर्ज किया। हालांकि, व्यापारी सत्यम रस्तोगी ने बाद में कहा कि वह पुलिस की कार्रवाई से संतुष्ट हैं और उनका किसी से व्यक्तिगत विवाद नहीं है।

ललितपुर में चोर समझकर युवक की पिटाई मामले में बड़ा एक्शन, 10 लोग गिरफ्तार

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के ललितपुर जिले के तालबेहट इलाके में एक युवक को चोर समझ कर पीटने के आरोप में पुलिस ने 10 लोगों को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, बुधवार रात एक युवक को घूमते देख कुछ लोगों ने उसकी बेरहमी से पिटाई की थी। तालबेहट कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) मनोज मिश्रा ने बताया कि पीड़ित बृजेंद्र (20) की शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर नननू कुशवाहा, राजकुमार, हरचरण, रवि, मुकेश, अमित भोले, शंकर, धनीराम, फूलचंद और आसाराम समेत 10 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि बृजेंद्र सिमरधा, पाली का रहने वाला है और घटना की विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, तालबेहट इलाके के खांदी मजरा, करीला गांव में पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही चोरियों से परेशान लोगों ने बुधवार रात करीब आठ बजे नननू कुशवाहा के घर के पास संदिग्ध अवस्था में बृजेन्द्र को घूमते हुए देखा और चोर समझ कर स्टेशन के पास पकड़कर खंभे से बांधकर डंडो से पिटाई कर दी।

छठ पर नदियों-घाटों को स्वच्छ रखने का संकल्प ले, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अनुपम उत्सव है : सीएम योगी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को छठ महापर्व पर नदियों-घाटों को स्वच्छ रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रदेशवासियों को संबोधित एक संदेश अपने आधिकारिक 'एक्स' खाते पर साझा करते हुए छठ महापर्व की सभी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने पोस्ट में कहा 'मेरे सम्मानित प्रदेश वासियों... छठ महापर्व आस्था व परंपरा के साथ-साथ प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अनुपम उत्सव है।

एक जिला-एक नदी के अंतर्गत सरकार नदियों के संरक्षण के लिए सतत प्रयत्नशील है। आइए, छठ पर नदियों-घाटों को स्वच्छ रखने का संकल्प लें।' योगी आदित्यनाथ ने अपने संदेश में कहा 'इस पर्व का एक गहरा संदेश है-नदियों और जलाशयों के प्रति सम्मान व उनका संरक्षण। हम नदी सभ्यता की संतान हैं। हमारे लिए नदियां धमनियों सी है, जिनमें जल की स्मृतियां सुरक्षित हैं।' मुख्यमंत्री ने कहा कि 'उत्तर प्रदेश सरकार इन जीवन धाराओं के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है।

2017 से अब तक 50 से अधिक नदियों को पुनर्जीवित किया जा चुका है।' उन्होंने कहा कि 'कानपुर की नून, देवरिया की छोटी गंडक, वाराणसी की मटका, जौनपुर की पीली नदी का प्रवाह हमारे प्रयास का प्रमाण है। इसी कड़ी में गोमती पुनर्जीवन मिशन प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को एक नई धारा प्रदान करेगा।' योगी ने पोस्ट में कहा ' एक जिला-एक नदी के अंतर्गत सरकार नदियों के संरक्षण के लिए सतत प्रयत्नशील है। आइए, , इसे लोक सहभागिता के उत्सव के रूप में मनाएं। इस छठ पर नदियों घाटों को स्वच्छ रखने का संकल्प लें।' उन्होंने कहा कि 'नदियां हैं तो हम हैं, नदियां नहीं तो कुछ भी नही।

मायावती ने खत्म की मंडलीय व्यवस्था लागू किया नया जोनल सिस्टम

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री बसपा सुप्रीमो मायावती ने पार्टी संगठन में बड़ा बदलाव करते हुए मंडलीय व्यवस्था को खत्म कर जोनल व्यवस्था लागू कर दी है। नई व्यवस्था के तहत अब प्रदेश को कुल नौ जोन में बांटा गया है। हर दो मंडल को मिलाकर एक जोन बनाया गया है और प्रत्येक जोन में दो-दो प्रभारी नियुक्त किए गए हैं एक मुख्य प्रभारी और एक सहायक प्रभारी।

बसपा की इस नई संगठनात्मक संरचना का उद्देश्य पार्टी के कार्यों को अधिक सशक्त और क्षेत्रीय स्तर पर प्रभावी बनाना है। मायावती के निर्देश पर जारी नई सूची के अनुसार, घनश्याम चंद्र खरवार को गोरखपुर, अयोध्या और लखनऊ जोन का मुख्य प्रभारी बनाया गया है। गया चरण दिनकर को प्रयागराज जोन का मुख्य प्रभारी तथा विजय प्रताप को सहायक प्रभारी नियुक्त किया गया है। वहीं, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भीम राजभर को मिर्जापुर जोन का मुख्य प्रभारी और गुड्डू राम को सहायक प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। सूत्रों के अनुसार, बसपा नेतृत्व का मानना है कि नई जोनल व्यवस्था के तहत संगठन की निगरानी और समन्वय पहले से अधिक प्रभावी होगा। इससे बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ेगी और आगामी चुनावी रणनीतियों को बेहतर तरीके से अमल में लाया जा सकेगा। पार्टी सूत्रों का कहना है कि यह परिवर्तन आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए किया गया है, जिससे बसपा की पकड़ हर क्षेत्र में मजबूत हो सके।

जिला पंचायत अध्यक्ष पर झूठा शपथ पत्र देने का आरोप, जांच की मांग तेज

लखनऊ **(एजेंसी)**। जिले की राजनीति में इन दिनों बड़ा विवाद सामने आया है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा पर चुनाव के दौरान झूठा शपथ पत्र देने का गंभीर आरोप लगा है। शिकायतकर्ता मेराज अहमद ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को पत्र भेजकर इस मामले में जांच और कार्रवाई की मांग की है। आरोप है कि श्याम सुंदर वर्मा ने वर्ष 2021 के जिला पंचायत सदस्य चुनाव में अपने नामांकन के साथ दिए गए शपथ पत्र में यह उल्लेख किया था कि उनके खिलाफ कोई आपराधिक मुकदमा दर्ज नहीं है। उन्होंने टांडा पूर्वी उत्तरी सीट से चुनाव लड़ा था और विजयी हुए थे। इसके बाद वे जिला पंचायत अध्यक्ष बने।

हालांकि, शिकायतकर्ता के अनुसार यह जानकारी भ्रामक और झूठी थी। दरअसल, वर्ष 2018 में इब्राहिमपुर थाने में श्याम सुंदर वर्मा के खिलाफ एक केस दर्ज हुआ था, जो एससी/एसटी एक्ट के तहत दर्ज किया गया था। इस मामले में 2019 में चार्जशीट भी दाखिल की गई थी। मेराज अहमद ने अपने शिकायती पत्र में कहा है कि एक जनप्रतिनिधि द्वारा चुनाव प्रक्रिया के दौरान झूठा शपथ पत्र दाखिल करना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए और उचित कानूनी कार्रवाई की जाए। फिलहाल, इस मामले को लेकर जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। सूत्रों के मुताबिक, शिकायत की प्रति जिला निर्वाचन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक और एसडीएम टांडा को भी भेजी गई है। प्रशासन ने शिकायत की जांच कराने की बात कही है। अगर आरोप सही साबित होते हैं, तो जिला पंचायत अध्यक्ष को पद और प्रतिष्ठा – दोनों पर असर पड़ सकता है।

चार मंजिला पाइप गोदाम में लगी भीषण आग, बुझाते समय रेलिंग गिरने से छह दमकलकर्मी घायल

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार की शाम पाइप गोदाम में आग लग गई। देखते ही देखते आग चार मंजिला भवन में पूरी तरह फैल गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की 8 गाड़ियां आग बुझाने में जुटी हुई हैं। घटना से आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। लोग घरों से निकलकर बाहर आ गए।

घटना अलीगंज सेक्टर के उस्मानपुर गांव की है। आग बुझाते समय मकान की रेलिंग गिर गई। इससे आग बुझा रहे छह दमकलकर्मी घायल हो गए। उन्हें आनन-फानन महानगर स्थित भाऊराॅव देवरस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी होने पर पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना। घायलों में सुनील कुमार, महेंद्र कुमार बिंद, गंगामड़ी सिंह, विजय, अशोक कुमार और रजनीश वर्मा शामिल हैं।

झाड़-फूंक में अधेड़ की हत्या, झाड़ियों में फेंकी लाश; पिता बोले-दो लोग मिलने आए थे

सुल्तानपुर। झाड़-फूंक के चक्कर में हरीपुर निवासी बसंतु पाल (55) की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। अधेड़ का शव शुक्रवार सुबह जौनपुर जिले के सुजानगंज के बाबूगंज बाजार के निकट फत्तूपुर गांव की पुलिया के पास झाड़ियों में पड़ा मिला।परिजनों के मुताबिक, मृतक के गले और पेट पर धारदार हथियार से वार किया गया है। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए करौंदीकला थाना और जौनपुर जिले के सुजानगंज थाने में तहरीर दी है। दोनों थाने की पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हरीपुर निवासी कमलेश पाल के मुताबिक, उनके पिता बसंतु पाल झाड़-फूंक करते थे। बृहस्पतिवार शाम लगभग सात बजे एक बाइक से दो अज्ञात व्यक्ति उनके घर पर पहुंचे। दोनों पिता को अपने साथ बाइक पर बिठाकर कहीं लेकर चले गए। तब से उनका कुछ पता नहीं चल सका।

शुक्रवार सुबह लगभग 9:30 बजे हरीपुर के ग्राम प्रधान मधुसूदन सिंह के मोबाइल पर जौनपुर जिले के सुजानगंज थाने से फोन आया कि बसंतु पाल का शव झाड़ी में मिला है। जानकारी पर घटनास्थल पर पहुंचे। वहां परिजनों ने शव की शिनाख्त की। कमलेश ने बताया कि पिता बसंतु पाल के गले व पेट के दाहिने हिस्से पर धारदार हथियार से वार किया गया था। शव के आसपास काफी खून बिखरा था। करौंदीकला थाने के प्रभारी निरीक्षक चंद्रभान वर्मा ने बताया कि सुजानगंज थाने की पुलिस जांच कर रही है। स्थानीय स्तर पर भी बसंतु पाल व उससे जुड़े लोगों के बारे में पता किया जा रहा है। सुजानगंज थानाध्यक्ष फूलचंद पांडेय ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। हर पहलू की जांच की जा रही है।

दो व्यक्तियों पर संदेह, सीडीआर से खुल सकता है हत्या का राज

बड़े बेटे कमलेश पाल ने बताया कि दो व्यक्ति बृहस्पतिवार को उनके घर आए थे, उन्हें वह नहीं पहचानते हैं। उन लोगों की बसंतु पाल से क्या बात हुई, यह भी नहीं पता है। घर से निकलने से पहले उनके पिता ने बताया था कि रात में वह घर नहीं आएंगे।

यदि पुलिस उन दोनों व्यक्तियों के बारे में पता करे तो सही स्थिति सामने आ जाएगी। सुजानगंज पुलिस के मुताबिक, शव के पास बसंतु पाल का मोबाइल भी पड़ा मिला है, जो स्विच ऑफ था। मोबाइल ऑन करके पुलिस उसका सीडीआर निकालने में जुटी है।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

बसंतु के दो पुत्र हैं। बड़ा पुत्र कमलेश व छोटा पुत्र नरेश पाल है। दोनों का विवाह हो चुका है। परिवार के मुखिया की मौत से घर में चीख-पुकार मची है।

यूपी में फिलहाल एसआईआर नहीं, पंचायत चुनाव को देखते हुए चुनाव आयोग में बनी सहमति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा और लोकसभा चुनाव की मतदाता सूचियों का गहन विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान फिलहाल नहीं चलेगा। उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक, पंचायत चुनाव के मद्देनजर इस पर चुनाव आयोग में सहमति बन गई है।

इस संबंध में हाल ही में दिल्ली में चुनाव आयोग ने सभी राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों के साथ बैठक की। सूत्रों के मुताबिक, तय हुआ है कि पहले उन पांच राज्यों में एसआईआर होगा, जहां वर्ष 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। ये राज्य हैं-असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिमी बंगाल। इसके साथ कुछ अन्य राज्य भी आयोग शामिल कर सकता है।

कुछ मुख्य चुनाव अधिकारियों ने सुझाव दिए कि जिन राज्यों में स्थानीय निकाय के चुनाव चल रहे हैं या होने वाले हैं, वहां इस चरण में एसआईआर नहीं कराया जाए। इसकी वजह दोनों ही तरह की मतदाता सूचियों के लिए बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) का कॉमन होना बताया गया। इन राज्यों में इस चरण में एसआईआर कराने पर काम की अधिकता हो जाने से गड़बड़ियों की आशंका भी जताई गई। बताते हैं कि इस पर चुनाव आयोग के अधिकारियों ने भी सहमति जताई।

बसपा में फिर उलटफेर, सरवर मलिक बने लखनऊ मंडल के मुख्य प्रभारी; मायावती ने बामसेफ की भी बुलाई बैठक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी में लखनऊ और कानपुर मंडल की जिम्मेदारी संभाल रहे शमसुद्दीन राइन को बर्खास्त करने के बाद वरिष्ठ नेता एवं लखनऊ महानगर के सलाहकार सरवर मलिक को लखनऊ मंडल का मुख्य प्रभारी बनाया गया है। सरवर मलिक लखनऊ के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं लोकसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशी भी रह चुके हैं। इसके अलावा मुनकाद अली कानपुर और लखनऊ मंडल की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं दूसरी ओर पार्टी ने मुस्लिम भाईचारा संगठन का पुनर्गठन करने का फैसला भी लिया है। इसके अलावा पश्चिमी यूपी में भी संगठन में कई फेरबदल किए गए हैं।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने आगामी एक नवंबर को बामसेफ की बैठक भी बुलाई है। इसमें पिछड़े वर्ग के लोगों को भी शामिल करने पर मंथन चल रहा है, जिसके बारे में मायावती अंतिम निर्णय लेंगी। दरअसल, बसपा ने मिशन 2027 के तहत संगठन को मजबूत करने के लिए बामसेफ कैडर को फिर से जिंदा करने की कवायद तेज कर दी है। इससे पहले वर्ष 2024 में भी ऐसी कवायद हो चुकी है, हालांकि उस दौरान खास सफलता नहीं मिली थी। अब बामसेफ को पुनर्गठित कर बसपा को मजबूत किया जाएगा। बामसेफ में अधिकतर लोग सरकारी सेवाओं से जुड़े हैं, जो पार्टी के विचारों को आगे बढ़ाने के साथ आर्थिक सहयोग भी करते हैं। अब उनका समर्थन पार्टी को नई ऊर्जा दे सकता है। बसपा के शुरुआती दौर में बामसेफ की अहम भूमिका रही थी, जिसकी वजह से पार्टी तेजी से आगे बढ़ती गई।

मायावती मेरी राजनीतिक गुरु : शमसुद्दीन राईन

पार्टी से बर्खास्त किए गए शमसुद्दीन राईन ने कहा कि मायावती मेरी राजनीतिक गुरु हैं। उनका हर फैसला मुझे स्वीकार है। उन्होंने मुझ पर भरोसा जताते हुए कई जिम्मेदारियां दीं, जिसे मैंने पूरी ईमानदारी से निभाया। उन्होंने कहा कि निष्कासित होने के बावजूद वह बसपा के मिशन से जुड़े रहेंगे और पार्टी को मजबूत करने की मुहिम चलाते रहेंगे। वहीं पार्टी में गुटबाजी करने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि मेरे जीवन का ध्येय बसपा सुप्रीमो को पांचवीं बार मुख्यमंत्री बनाना है, जिसके लिए आगे भी पूरी ताकत से काम करते रहेंगे।

विकास की दौड़ में प्रदेश के बाकी हिस्सों से अब भी पीछे है पूर्वी यूपी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को यदि एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है, तो पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों के बीच विकास का संतुलन बनाना होगा। लेकिन, धरातल पर सच्चाई कुछ और है। उत्तर प्रदेश के पूर्वी हिस्से की अर्थव्यवस्था पर आई एक रिपोर्ट कुछ और ही कहानी बयां कर रही है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के डॉ. नागेंद्र कुमार मौर्य और प्रो. रोली मिश्रा की ओर से किए गए शोध में सामने आया है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिले आज भी विकास के निचले पायदान पर अटके हुए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, श्रावस्ती, बलरामपुर और बहराइच, राज्य के सबसे पिछड़े जिलों में शामिल हैं। शोध और इस विस्तृत अध्ययन को प्रतिष्ठित-इंडियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड डेवलपमेंट में प्रकाशित किया गया है।

यूपी के 28 जिलों में कुल 19 मापदंडों पर हुआ शोध

शोध में उत्तर प्रदेश के 28 जिलों के विकास की तस्वीर को 19 सामाजिक और आर्थिक संकेतकों के आधार पर परखा गया। इनमें आय, शिक्षा, कृषि, रोजगार, स्वास्थ्य, उद्योग और बुनियादी ढांचा शामिल रहे। शोधकर्ताओं ने जिलों की तुलना के लिए "ब्रोकला टैक्सोनोमिक विधि" का उपयोग किया और प्रत्येक जिले को एक विकास स्कोर दिया।

पूर्वी यूपी में बुनियादी सुविधाएं अब भी कमतर

रिपोर्ट के मुताबिक, श्रावस्ती, बलरामपुर और बहराइच आदि जिलों की सड़कें, बिजली, स्कूल और अस्पताल जैसी सुविधाएं तुलनात्मक रूप से कमतर हैं। अध्ययन में निष्कर्ष निकला है कि ये जिले राज्य की विकास सूची के काफी नीचे हैं।

यही नहीं, पूर्वी यूपी के कई जिलों में औद्योगिक और बुनियादी ढांचे का स्तर बेहद कमजोर पाया गया। साथ ही कृषि और रोजगार के सूचकांक सबसे कमजोर रहे। यानी, पूर्वांचल में विकास की रफ्तार अब भी बेहद धीमी है ।

शोध के अगुआ डॉ. नागेंद्र कुमार मौर्य का कहना है कि पूर्वी यूपी में सुविधाएं अब भी कमतर हैं, निवेश लगभग ठहर गया है। वहीं प्रो. रोली मिश्रा का कहना है कि गांवों में सड़कें, बिजली और स्कूलों की गुणवत्ता और बेहतर करनी होगी।

भिवंडी में अवैध बिजली का शिकार बना 13 वर्षीय बालक, दो जखमी

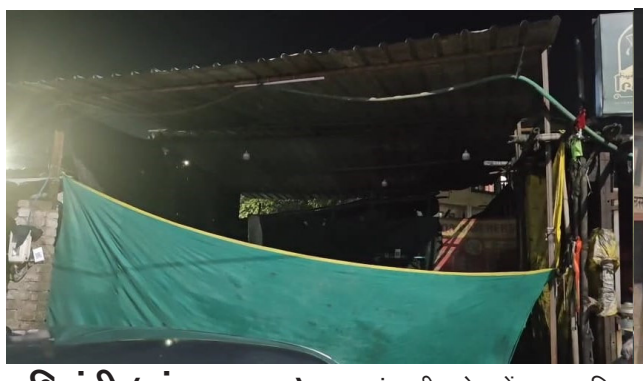

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर में बढ़ती बिजली चोरी ने एक मासूम की जान ले ली। दरगाह दीवान शाह मंजार के पास गोल्डन होटल और हनुमान मंदिर के समीप स्थित एक सर्विस सेंटर में बुधवार की दोपहर अवैध रूप से खींची गई बिजली के संपर्क में आने से 13 वर्षीय अली अनवर मोमिन की मौत हो गई। जबकि उसके दो छोटे भाई जख्मी है। मृतक अपने पिता के काम में सहयोग कर रहा था, तभी वह करंट की चपेट में आकर गिर पड़ा। स्थानीय सूत्रों का कहना है कि इस क्षेत्र में लंबे समय से खुलेआम बिजली चोरी का धंधा चल रहा है। बताया जाता है कि इरफान इलियास अंसारी नामक वायरमैन आसपास की झोपड़पट्टी सहित कई स्थानों पर अवैध रूप से बिजली सप्लाई कर रहा है। इससे बिजली कंपनी को आर्थिक नुकसान हो रहा है, साथ ही लोगों की जान पर भी संकट मंडराता रहता है। अंसारी के ऊपर पूर्व में बिजली चोरी के काई मामले दर्ज है। चौंकाने वाली बात यह रही कि इस हादसे के बाद न तो मृतक के परिजनों और न ही किसी अन्य व्यक्ति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

सूत्रों के अनुसार, इस घटना को दबाने का प्रयास किया गया और बच्चे को जल्दबाजी में दफन भी कर दिया गया। भोईवाडा पुलिस स्टेशन में इस संबंध में कोई मामला दर्ज नहीं हुआ और पुलिस ने भी इसे संज्ञान में नहीं लिया। घटना के बाद स्थानीय नागरिकों में रोष व्याप्त है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते अवैध कनेक्शनों पर कार्यवाही की जाती तो बालक की जान बचाई जा सकती थी। नागरिकों ने बिजली विभाग व पुलिस प्रशासन से इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की है। वर्तमान में क्षेत्र में दहशत और नाराजगी का माहौल व्याप्त है। नागरिकों का कहना है कि जिम्मेदारों पर कार्रवाई न होने से कानून का भय समाप्त होता जा रहा है और मासूम जिंदगियां जोखिम में पड़ती जा रही हैं।अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि मामले के उजागर होने के बाद क्या पुलिस प्रशासन जांच की दिशा में कोई ठोस कदम उठाता है या फिर यह मामला भी खामोशी के अंधेरे में खो जाएगा।

ग्राहक खा रहे मच्छर, ढाबा मालिक मौन !

थाली में रोटी...हवा में मच्छर.. ग्राहक बेबस... नबाब ढाबा की कहानी

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी।भिवंडी मनपा चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहा है, वैसे-वैसे शहर और हाईवे किनारे स्थित ढाबों में सजावट का दौर तेज हो गया है। चमकदार लाइटों और आकर्षक माहौल के बीच ग्राहकों को बेहद अलग तरह की परेशानी झेलनी पड़ रही है। ढाबों के आसपास घनी झाड़ियां और जंगल होने के कारण रात के समय कीड़े-मकोड़ों का जमावड़ा बढ़ गया है। हालात यह है कि खाना खाने आने वाले लोगों को अब मच्छरों के बीच भोजन करना पड़ रहा है। पडघा रोड स्थित चाविंद्रा गांव के पास प्रसिद्ध नबाब ढाबा का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि ग्राहक मच्छरों व छोटे-छोटे उड़ने वाले कीड़ों से बेहद परेशान हैं। एक ग्राहक शिकायत करते हुए कहता दिख रहा है कि 'हम यहां खाना खाने आए हैं, लेकिन यहां हमें मच्छर और कीड़े खिलाए जा रहे हैं।'

ग्राहकों का कहना है कि उन्होंने समस्या की जानकारी ढाबा संचालक को दी, लेकिन कोई संतोषजनक कदम नहीं उठाया गया। ढाबा मालिकों की लापरवाही पर स्थानीय लोगों ने भी नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि रोशनी और सजावट पर खर्च तो किया जा रहा है, पर स्वच्छता और कीट नियंत्रण को लेकर ढाबा संचालक उदासीन बने हुए है। ग्राहकों की मांग है कि ढाबों पर नियमित फॉगिंग और सफाई का प्रबंध हो, ताकि परिवार लेकर बाहर भोजन का आनंद लेने वालों की सेहत जोखिम में न पड़े,चुनावी माहौल में जहां सफाई और जनसुविधाओं को लेकर दावे किए जा रहे हैं, वही ढाबों पर मच्छरों का यह आतंक प्रशासनिक दावों की पोल खोल रहा है। ग्राहक उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द ही इस समस्या का समाधान होगा और उन्हें बिना किसी अनचाहे मेहमान के स्वादिष्ट भोजन मिल सकेगा।

मुकेश सहनी का बीजेपी पर सीधा वारः अल्पसंख्यक हमारे साथ, 'इंडिया' गठबंधन एकजुट होकर लड़ेगा रोजगार पर चुनाव

नई दिल्ली। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख और 'इंडिया' गठबंधन की ओर से उपमुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार मुकेश सहनी ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा को अल्पसंख्यकों की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि उनके नेता खुद कहते हैं कि उन्हें मुस्लिम वोट नहीं चाहिए। पटना में पत्रकारों से बातचीत में सहनी ने कहा, 'भाजपा अपने शाहनवाज हुसैन की फिक्र करे। हमारे अल्पसंख्यक हमारे साथ हैं और पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे।'

उन्होंने कहा कि 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन पूरी एकजुटता के साथ बिहार विधानसभा चुनाव के मैदान में उतरा है और जनता के मुद्दों पर केंद्रित होकर चुनाव लड़ेगा। सीट बंटवारे के दौरान उत्पन्न मतभेदों पर सहनी ने कहा, 'जहां भी थोड़ी बहुत असहमति है, वहां आने वाले दिनों में एक पार्टी दूसरी पार्टी के प्रत्याशी को समर्थन देगी। हमें जनता के मुद्दों पर लड़ना है, न कि कुर्सी की राजनीति करनी है।'

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बिहार दौरे पर निशाना साधते हुए सहनी ने कहा, 'ये लोग बिहार को सिर्फ झूठे वादों से गुमराह करते हैं। गुजरात में फैक्ट्रियां लगती हैं, लेकिन जब बिहार की बात आती है तो कहते हैं कि जमीन नहीं है। हमारी सरकार बनी तो उद्योग बिहार में लगेंगे और रोजगार बिहार के युवाओं को मिलेगा।' सहनी ने दावा किया कि 'इंडिया' गठबंधन का एजेंडा रोजगार, शिक्षा और विकास पर केंद्रित है, जबकि भाजपा जनता का ध्यान असल मुद्दों से भटकाने की कोशिश कर रही है।

उड़ान पुल पर चलती पल्सर में अचानक आग, चालक सुरक्षित बचा

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी के स्वं राजीव गांधी उडान पुल पर देर रात एक चलते हुए दोपहिया वाहन में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, गैबी नगर निवासी अर्फज सिद्दीकी अपनी बजाज पल्सर बाइक से बागे फ़िरदौस मस्जिद से धामणकर नाका की दिशा में जा रहे थे। रात लगभग साढ़े ग्यारह बजे जब अर्फज पुल पर पहुंचे, तभी बाइक में अचानक धुआं उठना शुरू हुआ और देखते ही देखते आग भड़क गई। चालक ने तुरंत बाइक को सड़क किनारे रोककर खुद को सुरक्षित बाहर निकाला। उनकी तत्परता के कारण बड़ा हादसा टल गया।सूचना मिलने पर भिवंडी अग्निशमन दल की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक पूरी बाइक जलकर खाक हो चुकी थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आग लगने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका, लेकिन शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है।इस घटना के चलते पुल पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

बिहार की राजनीति में ऐसे चमकी थी राष्ट्रीय जनता दल, लालू यादव ने की थी स्थापना

पटना। लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनता दल देश की प्रमुख क्षेत्रीय पार्टियों में से एक है। लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनता दल की स्थापना 05 जुलाई 1997 को हुई थी। इस पार्टी की बिहार में तीन बार सरकार बन चुकी है। पार्टी का चिन्ह लालटेन है और साल 2008 में राजद राष्ट्रीय पार्टी बन गई थी, लेकिन साल 2010 में इस पार्टी ने यह हैसियत गंवा दी। पार्टी प्रमुख लालू यादव बिहार के मुख्यमंत्री के साथ केंद्र में रेलवे मंत्री रह चुके हैं। इसके अलावा लालू यादव की पत्नी रबड़ी देवी तीन बार बिहार की सीएम रह चुकी हैं। वहीं इस समय लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव, छोटे बेटे तेजस्वी यादव और बेटी मीसा भारती भी राजनीति में सक्रिय हैं।

राजद का इतिहास

साल 1996 से लेकर 1998 तक भारत की केंद्रीय राजनीति का दौर सबसे अस्थिर माना जाता है। जब लालू यादव ने राष्ट्रीय जनता दल का गठन किया था, तब वह बिहार के मुख्यमंत्री थे। लेकिन इसी दौर में लालू प्रसाद यादव के खिलाफ सीबीआई ने चारा घोटाले में चार्जशीट दाखिल करने का फैसला लिया। चारा घोटाले में आरोपित होने के बाद लालू यादव ने सत्ता और राजनीतिक आधार को सुरक्षित रखने

के लिए पार्टी की स्थापना की थी। इस दल का चुनाव-चिह्न तीर है और झंडा हरे-सफेद रंग का।

मुश्किलों में घिरी राजद

बता दें कि राजद के नेतृत्व पर बार-बार उच्च-प्रोफ़ाइल भ्रष्टाचार घोटालों के आरोप लगे हैं। इसके अलावा ज़मीन के बदले नौकरी घोटाला, रेलवे टेंडर रिश्वत कांड, 2017 में आयकर चोरी मामले, पटना जू मिट्टी घोटाले और अवैध सम्पत्ति मामलों सहित यादव परिवार के अन्य सदस्यों और पार्टी के वंशज नेता तेजस्वी यादव पर भी मुकदमे दर्ज हैं।

नंबर 1 बनी थी आरजेडी

लालू यादव ने साल 1997 में अपने दम पर जिस आरजेडी को खड़ा किया था, उसके अगले ही विधानसभा चुनाव में पार्टी ने कमाल कर दिया था। उस दौरान झारखंड बिहार का हिस्सा था। इस दौरान यहां पर 324 विधानसभा सीटें हुआ करती थीं। साल 2000 के राज्य विधानसभा चुनाव में आरजेडी ने 324 में से 124 सीटों पर जीत हासिल की। हालांकि पार्टी के पास बहुमत नहीं था, ऐसे में राज्य में थोड़ा सियासी उथल-पुथल देखने को मिली।

इस दौरान केंद्र की सरकार ने दूसरी पार्टी को अपना समर्थन दिया, लेकिन विधानसभा में बहुमत साबित नहीं कर पाने के कारण सरकार गिर गई। जिसके बाद लालू यादव ने अपने जबरदस्त मैनेजमेंट से सत्ता अपने हाथों में ली और साल 2005 तक 5 साल और फिर राबड़ी देवी राज्य की मुख्यमंत्री बनीं।

वहीं साल 2020 में हुए बिहार विधानसभा चुनाव में राजद ने कांग्रेस और वामपंथी दलों के साथ मिलकर महागठबंधन बनाकर चुनाव लड़ा था। इस महागठबंधन ने कुल मिलाकर 243 में से 110 सीटों पर जीत हासिल की थी। लेकिन बहुमत के लिए राजद गठबंधन 122 का आंकड़ा पूरा नहीं कर सका। वहीं बिहार विधानसभा चुनाव में 75 विधायकों के साथ राजद सबसे बड़े दल के रूप में उभर कर आयी।

पार्टी का समर्थन

राजद पार्टी का समर्थन आधार पारंपरिक रूप से अन्य पिछड़ा वर्ग, मुस्लिम और दलित रहा है। इसको निचली जातियों का राजनीतिक चैंपियन माना जाता है। वहीं पार्टी की विचारधारा समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष है।

भिवंडी में देसी कट्टा बरामदः 45 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार, पुलिस की सख्त कार्रवाई

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी में अवैध हथियारों के बढ़ते खतरे पर लगाम कसते हुए निजामपुरा पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। नदीनाका विसर्जन घाट क्षेत्र में गश्त के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध युवक को पकड़ा, जिसकी तलाशी में 15 हजार रुपये की कीमत का देसी कट्टा बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान साजिद इस्माइल सय्यद उर्फ साजिद काल्या (45) के रूप में हुई है, जो नदीनाका क्षेत्र का ही निवासी बताया जा रहा है। पुलिस सिपाही अनिल संभाजी सापते ने इस संबंध में मामला दर्ज कराया है। सूत्रों के अनुसार, 21 अक्टूबर की शाम लगभग 7 बजे पुलिस टीम ने संदिग्ध हरकत के चलते साजिद को रोका। तलाशी के दौरान उसके पास अवैध हथियार मिला। पूछताछ में आरोपी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इसके बाद पुलिस ने उसके खिलाफ भारतीय शस्त्र अधिनियम की धारा 3, 25 सहित महाराष्ट्र पुलिस कायदा की धारा 37(1)(3) और 135 के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया। मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक विनोद चव्हाण के मार्गदर्शन में जारी है। पुलिस अब यह जानने का प्रयास कर रही है कि हथियार आरोपी को कहां से मिला और कहीं इसका इस्तेमाल किसी आपराधिक वारदात में तो नहीं हुआ।

सड़क के गड्ढों के कारण बाइक टैंकर से टकराई, बाप-बेटा गंभीर रूप से घायल

भिवंडी। भिवंडी के एसटी स्टैंड से गायत्रीनगर जाने वाले रोड पर गुरूवार देर शाम एक गंभीर सड़क हादसा हुआ। स्थानीय खड्डों के कारण बाइक का संतुलन बिगड़ गया और बाप-बेटा पानी के टैंकर से टकरा गए, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे में घायल फैज़ अशफाक अंसारी (40) अपने चार वर्षीय बेटे फ़राज़ अंसारी के साथ मोटरसाइकिल पर सवार थे। रास्ते में बने गहरे खड्डों के कारण उनकी बाइक नियंत्रण खो बैठी और पास से गुजर रहे पानी के टैंकर से टकरा गई। टकराने के बाद दोनों सड़क पर गिर गए। फ़राज़ अंसारी को सिर में गंभीर चोटें आई हैं और उन्हें तत्काल मुंबई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। फैज़ अंसारी की हालत भी गंभीर बताई जा रही है।पुलिस ने घटना की जानकारी लेते हुए जांच शुरू कर दी है। हादसे ने एक बार फिर भिवंडी में सड़क सुरक्षा और खड्डों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं की समस्या को उजागर कर दिया है।

प्रसव के दौरान बच्चे की मौत, परिवार ने अस्पताल में चिकित्सकों के मौजूद न होने का आरोप लगाया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर ज़िले की एक महिला के परिवार ने आरोप लगाया है कि सरकारी अस्पताल में महिला के प्रसव के दौरान चिकित्सक के कई घण्टों तक मौजूद न रहने के कारण महिला के बच्चे की मौत हो गई।

हालांकि, अधिकारियों ने परिवार के इस दावे को खारिज कर दिया है। महिला के पति के अनुसार 25 वर्षीय वैशाली अशोक बात्रे को 22 अक्टूबर की सुबह मोखाडा ग्रामीण अस्पताल में प्रसव के लिए लाया गया था।

उन्होंने दावा किया कि लगभग 12 घण्टे तक एक भी चिकित्सक वहां मौजूद नहीं थे और उस समय केवल एक नर्स ही ड्यूटी पर थी। समय पर चिकित्सीय व्यवस्था और विशेषज्ञ देखभाल की कमी के कारण प्रसव के दौरान नवजात शिशु की मृत्यु हो गई।

उन्होंने आरोप लगाया गया कि अस्पताल ने बाद में इस आदिवासी महिला और उसके मृत शिशु को खोडाला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया। तालुका चिकित्सा अधिकारी डॉ. भाऊसाहेब छत्तार ने लापरवाही के आरोपों का खंडन किया है। शुक्रवार को उन्होंने पीटीआई-को बताया कि एक चिकित्सक वास्तव में अस्पताल में मौजूद था लेकिन प्रसव के समय वह सांप के काटने से संबंधित एक आपातकालीन मामले में व्यस्त था। छत्तार ने कहा, जब जन्म के तुरंत बाद बच्चा रोता हुआ नहीं पाया गया तो चिकित्सक वार्ड में जल्दी से पहुंचे लेकिन उन्होंने शिशु को मृत पाया। प्रारंभिक निष्कर्षों का हवाला देते हुए, उन्होंने कहा कि शायद बच्चे में जन्मजात विसंगति थी। उन्होंने कहा, चिकित्सा टीम की ओर से कोई लापरवाही नहीं हुई थी। हमारे पास अस्पताल में सहायक कर्मचारी भी मौजूद है।

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव में शरद पवार का 'पावर', मंत्री ने बेटे के लिए मांगा समर्थन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना के नेता और राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार से मुलाकात की. सरनाईक के बेटे विहंग सरनाईक 'मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन' के अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल हैं. संगठन में शरद पवार का गहरा प्रभाव होने के चलते सरनाईक की यह मुलाकात काफी अहम मानी जा रही है. यह मुलाकात खत्म नहीं होती तब तक बीजेपी के विधायक प्रसाद लाड भी शरद पवार के घर पहुंचे. महाराष्ट्र की राजनीति में दोनों बड़े नेता माने जाते है पर क्रिकेट के चुनाव में पावर की पावर का यहां अंदाजा लगाया जाता है .

'मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन' की कार्यकारी समिति के त्रैवार्षिक चुनाव 12 नवंबर को होने वाले हैं. मौजूदा अध्यक्ष अजिंक्य नाइक 'लोढा समिति' की सिफारिशों के अनुसार इस बार चुनाव नहीं लड़ पाएंगे. एसोसिएशन की मौजूदा कार्यकारिणी पर शरद पवार गुट का दबदबा है. सूत्रों के अनुसार, प्रताप सरनाईक ने अपने बेटे विहंग को MCA का अध्यक्ष बनाने के लिए पवार से समर्थन मांगा है.

41 बार रणजी ट्रॉफी जीतने का है रिकॉर्ड

'मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन' का मुंबई टीम भारत की प्रथम श्रेणी क्रिकेट

प्रतियोगिताओं में एक मजबूत टीम मानी जाती है. मुंबई टीम ने 41 बार रणजी ट्रॉफी जीती है जो एक रिकॉर्ड है. विजय मर्चेंट, सुनील गावस्कर और सचिन तेंदुलकर जैसे महान क्रिकेटर MCA से ही खेल चुके हैं. महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों में क्रिकेट संचालन करने वाली संस्थाओं में MCA सबसे प्रभावशाली मानी जाती है.

MCA अध्यक्ष पद के अन्य दावेदार अध्यक्ष अजिंक्य नाइक पवार गुट से हैं. पिछली बार MCA चुनाव में बीजेपी नेता एडवोकेट आशीष शेलार के उम्मीदवार को पवार गुट के उम्मीदवार ने पराजित किया था. MCA पर हमेशा से राजनीतिक नेताओं का वर्चस्व रहा है.

विहंग सरनाईक कौन हैं?

विहंग सरनाईक, शिंदे शिवसेना के विधायक और राज्य के परिवहन मंत्री राज्य के उद्योग मंत्री उदय सामंत के भाई और शिंदे गट के विधायक किरण सामंत, तथा बीजेपी के विधान परिषद सदस्य प्रसाद लाड भी इस पद के लिए इच्छुक हैं. दोनों ने पिछले हफ्ते ही शरद पवार से मुलाकात की थी. वर्तमान प्रताप सरनाईक के बड़े बेटे हैं. वे एक समय अखंड शिवसेना की युवासेना में पदाधिकारी थे और आदित्य ठाकरे के करीबी माने जाते थे. वर्तमान में वे 'मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन' के सदस्य भी हैं. जब सरनाईक परिवार पर ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने कार्रवाई की थी, उस समय विहंग से भी पूछताछ हुई थी.

प्रसाद लाड कौन है ?

प्रसाद लाड महाराष्ट्र के एक बीजेपी (भारतीय जनता पार्टी) नेता और विधान परिषद के सदस्य हैं. वे राज्य की राजनीति में खासतौर पर मुंबई और कोकण क्षेत्र से सक्रिय हैं. प्रसाद लाड बीजेपी के प्रभावशाली संगठनकर्ता माने जाते हैं .वे बीजेपी महाराष्ट्र प्रदेश कार्यकारिणी में महत्वपूर्ण पदों पर रहे हैं . 2017 में वे महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य बने. वे पहले एनसीपी (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) से जुड़े हुए थे, लेकिन बाद में बीजेपी में शामिल हो गए उनका नाम कई बार मुंबई महानगरपालिका, MCA (मुंबई क्रिकेट असोसिएशन), और कोकण क्षेत्र के विकास प्रकल्पों से जुड़ा रहा है. बीजेपी के मुख्य रणनीतिक नेताओं में गिने जाते हैं, खासतौर पर जब मुंबई और ठाणे क्षेत्र में पार्टी को सशक्त करने की बात आती है.

भारत में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप से हटा पाकिस्तान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पाकिस्तान ने नवंबर-दिसंबर में भारत में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप से नाम वापस ले लिया है। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। एफआईएच ने कहा कि 28 नवंबर से 28 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की जगह लेने वाली टीम की घोषणा जल्द ही की जाएगी। एफआईएच ने बयान में कहा, 'हम पुष्टि कर सकते हैं कि पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) को सूचित कर दिया है कि उनकी टीम भारत के तमिलनाडु में होने वाले एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप में भाग नहीं लेगी। पाकिस्तान ने इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया था।' बयान में कहा गया, 'इस प्रतियोगिता के लिए पाकिस्तान की जगह लेने वाली टीम की घोषणा जल्द ही की जाएगी।' पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमले और उसके बाद भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के रूप में की गई जवाबी कार्रवाई के बाद से दोनों देशों के बीच खेल संबंध प्रभावित हुए हैं।

ऑस्ट्रेलिया में आखिरी मैच खेल सकते हैं कोहली और रोहित, भारत को सुलझानी होगी गेंदबाजी की पहेली

सिडनी। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और उनके साथी रोहित शर्मा शनिवार को यहां जब तीसरे और अंतिम एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में खेलने के लिए उतरेंगे तो भावनाओं का ज्वार अपने चरम पर हो सकता है क्योंकि यह ऑस्ट्रेलिया की धरती पर इन दोनों का संभवतः अंतिम मैच होगा। रोहित शर्मा ने दूसरे वनडे में 97 गेंदों पर 73 रन बनाकर कुछ राहत की सांस ली है, लेकिन कोहली दोनों मैच में खाता खोलने में असफल रहे।

यह वनडे क्रिकेट में पहला अवसर है जबकि वह लगातार जो मैच में खाता नहीं खोल पाए। इसने निश्चित रूप से उनके कट्टर प्रशंसकों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या यह अंत की शुरुआत है। रोहित पहली बार 2007-08 में वन डे श्रृंखला के लिए यहां आए थे जबकि कोहली का सीनियर टीम के साथ पहला दौरा 2011-12 सत्र में था जब उन्होंने एडिलेड में टेस्ट शतक लगाकर अपना प्रभाव छोड़ा था।

अगले दो वर्षों में ऑस्ट्रेलिया में कोई एकदिवसीय श्रृंखला नहीं होने के कारण यह सोचना असंभव है कि यह जोड़ी फिर से भारत की तरफ से ऑस्ट्रेलिया में खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया ने वर्तमान श्रृंखला के पहले दोनों मैच जीत कर सीरीज अपने नाम कर दी है लेकिन कोहली और रोहित की मौजूदगी के कारण तीसरा एकदिवसीय मैच क्रिकेट प्रेमियों के लिए महत्वपूर्ण बन गया है।

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर मौजूद दर्शक निश्चित तौर पर इन दोनों से अच्छी पारी की उम्मीद करेंगे। यह मैच इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि गौतम गंभीर की कोचिंग वाली भारतीय टीम 0-3 से क्लीन स्वीप से बचना चाहती है लेकिन आंकड़े भारतीय टीम

के पक्ष में नहीं हैं। उसने यहां जो पिछले पांच वनडे मैच खेले हैं उनमें से उसे केवल एक मैच में जीत मिली है। कप्तान शुभमन गिल और कोहली दोनों से बड़ी पारी दरकार है और गंभीर को अंतिम मैच में दोनों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

पिछले दो मैचों में बुरी तरह से पराजित होने वाली भारतीय टीम गेंदबाजी के अपने संसाधनों के साथ समझौता करने की कीमत पर बल्लेबाजी को मजबूत करने की अपनी रणनीति पर फिर से विचार करना चाहेगी क्योंकि कुलदीप यादव जैसे मैच विजेता खिलाड़ी को नजरअंदाज करना टीम के लिए अभी तक अच्छा साबित नहीं हुआ है। भारत ने अब तक स्पिन विभाग की जिम्मेदारी अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर पर डाली है जो अच्छी बल्लेबाजी भी कर सकते हैं लेकिन यह दोनों गेंदबाजी में प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं और ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को उन्हें खेलने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई है।

भारत का वर्तमान टीम प्रबंधन ऑलराउंडर को प्राथमिकता देता रहा है लेकिन नीतीश कुमार रेड्डी जैसे बल्लेबाज को आठवें नंबर पर उतारना सही रणनीति नहीं लगती है। गेंदबाजी में भी वह प्रभाव छोड़ने में असफल रहे। हर्षित राणा के मामले में, दूसरे और तीसरे स्पैल में उनकी गति में आई उल्लेखनीय गिरावट इस बात का प्रमाण है कि वह अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हैं। उनकी जगह पर प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम एकादश में शामिल किया जाना चाहिए।

जहां तक ऑस्ट्रेलियाई टीम का सवाल है, तो साफ नजर आता है कि उसने 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है। मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल ओवेन और कूपर कोनोली जैसे खिलाड़ियों ने दबाव वाली परिस्थितियों में सही रणनीति तैयार करने और उस पर अमल करने के अपने कौशल का अच्छा परिचय दिया है। ऑस्ट्रेलिया इस मैच के लिए मैट कुहनेमैन को अंतिम एकादश में शामिल कर सकता है जिन्होंने पहले मैच में अच्छी गेंदबाजी की थी।

हम भारत की तरह नहीं हैं, हार के बाद बोली न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन

नवी मुंबई। न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने भारत के खिलाफ अपनी टीम की हार के बाद कहा कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) को कैलेंडर में जगह मिलने से भविष्य में भारत महिला क्रिकेट के मामले में अग्रणी देश बन सकता है। अपने पांचवें विश्व कप में न्यूजीलैंड की कप्तानी करने वाली डिवाइन रविवार को वनडे से संन्यास ले लेंगी, क्योंकि उनकी टीम गुरुवार को यहां भारत से बड़ी हार के साथ सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई। न्यूजीलैंड में घरेलू क्रिकेट में सुधार के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'हमें यथार्थवादी होना होगा कि ये चीजें रातोंरात नहीं होतीं। हम भारत की तरह नहीं हैं। हमारे पास एक अरब लोग नहीं हैं जिनसे संपर्क किया जा सके। हम वास्तव में दुनिया के सबसे निचले पायदान पर स्थित एक छोटा सा देश हैं, जिसकी आबादी पांच करोड़ है।' डिवाइन ने कहा, 'यहां एक अरब लोग हैं और यहां जिस तरह से घरेलू क्रिकेट पर काम हो रहा है वह न्यूजीलैंड में हमारे काम करने के तरीके से बहुत भिन्न है।' उन्होंने कहा, 'मैं महिला क्रिकेट के भविष्य को लेकर बेहद उत्साहित हूं। यहां जिस तरह से महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए काम किया जा रहा है उससे मुझे लगता है कि भारत महिला क्रिकेट में अग्रणी देश बन सकता है। हमने डब्ल्यूपीएल में महिला क्रिकेट के प्रति लोगों की दिलचस्पी को अच्छी तरह से देखा है।' डिवाइन ने कहा कि उनके लिए संन्यास लेने का फैसला करना इसलिए आसान हो गया क्योंकि उन्हें पता है कि न्यूजीलैंड के पास अच्छी बेंच स्ट्रेंथ है। उन्होंने कहा, 'जब आप इज्जी (इसाबेल गेज), ब्रुक (हैलिडे), मेली केर (अमेलिया केर) और ईडन कार्सन जैसी खिलाड़ियों के बारे में सोचते हैं, जिस तरह से वे वास्तव में खुद को निखार रहे हैं, उसे देखते हुए मेरे लिए संन्यास लेने का फैसला करना आसान हो गया।' डिवाइन इस अवसर पर भावुक भी हो गई थी क्योंकि उनकी टीम सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रही।

लक्ष्य, दीक्षा, शाइना बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में

चेंगदू (चीन)। भारत की लक्ष्य राजेश, दीक्षा सुधाकर और शाइना मणिमुथु ने शुक्रवार को बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप के लड़कियों के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। छठी वरीयता प्राप्त दीक्षा ने चीनी ताइपे की पिन हुआन चियांग को 21-19, 21-15 से हराकर अंडर-17 वर्ग के अंतिम आठ में प्रवेश किया। लक्ष्य ने कोरिया की ली युन सेओ को 21-16, 21-11 से हराकर अंडर-17 क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। शीर्ष वरीयता प्राप्त शाइना ने अंडर-15 प्री-क्वार्टर फाइनल में दबदबा कायम करते हुए चीन की ली मान लिन को 21-17, 21-16 से हराया।

अदिति दीपक राज और बी.वी. पोन्नम्मा वृद्धि ने लड़कियों के युगल वर्ग में शुरुआती गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए कोरिया की ली युन सेओ और पार्क यू जियोंग की जोड़ी को 17-21, 21-15, 21-17 से मात दी। चरण राम थिप्पाना और हरि कृष्ण वीरमरेड्डी ने लड़कों के युगल वर्ग में जापान के कोसुके शिनोहारा और हिरोतो नाकात्सुका पर 21-14, 21-8 से प्रभावशाली जीत दर्ज की।

जगशेर सिंह खंगुरा ने एकल वर्ग में मलेशिया के विंसन चोह को 21-12, 21-17 से आसानी से हराया। वजीर सिंह सिंह अंडर-15 लड़कों के एकल वर्ग के बेहद रोमांचक मुकाबले में इंडोनेशिया के सातवें वरीय रेवन एड्रिलियो सपुत्रा से 19-21, 22-20, 22-24 से हारकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने से चूक गए।

डॉलर पर नहीं, अब सोने पर भरोसा कर रहा आरबीआई, बढ़ा रहा गोल्ड रिजर्व

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल के महीनों में अपने विदेशी मुद्रा भंडार में डॉलर एसेट्स की हिस्सेदारी घटाकर सोने की हिस्सेदारी बढ़ा दी है। इस वित्त वर्ष की शुरुआत से ही आरबीआई लगातार अपने गोल्ड रिजर्व में इजाफा कर रहा है, जबकि अमेरिकी ट्रेजरी सिक्योरिटीज में निवेश घटा रहा है। आरबीआई के ताज़ा आंकड़ों के मुताबिक, बैंक का कुल गोल्ड होल्डिंग 880 टन से अधिक हो गया है। इस वित्त वर्ष की शुरुआत से अब तक आरबीआई ने 600 किलोग्राम सोना अपने भंडार में जोड़ा है। 27 जून को 400 किलोग्राम और 26 सितंबर को 200 किलोग्राम सोना खरीदा गया। वहीं, अमेरिकी ट्रेजरी सिक्योरिटीज में आरबीआई का निवेश घटकर 219 अरब डॉलर पर आ गया है, जो पिछले सात महीनों का सबसे निचला स्तर है। एक महीने पहले यह निवेश 227.4 अरब डॉलर और एक साल पहले 238.8 अरब डॉलर था।

10 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह तक भारत का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 698 अरब डॉलर था। इसमें से सोने का मूल्य पहली बार 100 अरब डॉलर के पार जाकर 102.36 अरब डॉलर हो गया है। सितंबर 2024 के अंत तक सोना आरबीआई के कुल विदेशी मुद्रा भंडार का 13.6इ हिस्सा बन चुका है, जबकि एक साल पहले यह सिर्फ 9.3इ था। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस के अनुसार, 'आरबीआई अपने फॉरेक्स रिजर्व को विविध बनाने की नीति अपना रहा है। मौजूदा आर्थिक अनिश्चितताओं और अमेरिका की ब्याज दर नीति को देखते हुए सोने में निवेश एक सुरक्षित विकल्प बन गया है।' दुनिया भर के केंद्रीय बैंक भी सोने में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहे हैं। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, अगस्त में वैश्विक केंद्रीय बैंकों ने कुल 15 टन सोना अपने रिजर्व में जोड़ा। वर्तमान में दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों का अमेरिकी ट्रेजरी बिल्स में कुल निवेश 9.1 ट्रिलियन डॉलर है। इनमें जापान (1.1 ट्रिलियन डॉलर) सबसे आगे है, जबकि ब्रिटेन (899 अरब डॉलर) और चीन (730.7 अरब डॉलर) उसके बाद आते हैं।

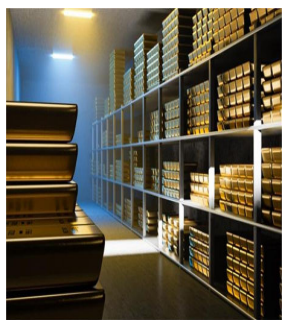

युजवेंद्र चहल का धनश्री वर्मा पर सीधा वार? 'आर्थिक रूप से स्वतंत्र पत्नी को गुजारा भत्ता नहीं मांग सकतीं'

क्रिकेटर युजवेंद्र चहल एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गए हैं – और इस बार, यह क्रिकेट को लेकर नहीं है। भारतीय लेग स्पिनर की हालिया इंस्टाग्राम स्टोरी ने व्यापक अटकलों को हवा दे दी है कि उन्होंने अपनी पूर्व पत्नी धनश्री वर्मा पर परोक्ष रूप से कटाक्ष किया है, और ऐसा प्रतीत होता है कि दिल्ली हाईकोर्ट के एक फैसले का हवाला दे रहे हैं।

चहल ने एक अदालती फैसले का स्क्रीनशॉट शेयर किया, जिसमें लिखा था, 'आर्थिक रूप से स्वतंत्र पत्नियाँ अपने पतियों से गुजारा भत्ता नहीं मांग सकतीं।' इसके साथ उन्होंने लिखा, 'माँ कसम खाओ नहीं पलटोगे इस फैसले से, ' जिसका मतलब है, 'अपनी माँ की कसम खाओ कि तुम इस फैसले से पीछे नहीं हटोगे।' यह पोस्ट, हालाँकि कुछ ही देर बाद डिलीट कर दी गई, तुरंत वायरल हो गई, और प्रशंसक इस बात पर बहस करने लगे कि क्या यह धनश्री पर लक्षित था या फिर कोर्ट के रुख का समर्थन करने का उनका तरीका था।

चहल का यह पोस्ट कोरियोग्राफर और प्रभावशाली धनश्री वर्मा से उनके बहुचर्चित अलगाव के महीनों बाद आया है। दिसंबर 2020 में शादी के बंधन में बंधे ये दोनों, बॉम्बे हाईकोर्ट की कार्यवाही के बाद इस साल मार्च में अलग होने से पहले क्रिकेट के सबसे ज़्यादा फ़ॉलोअर्स वाले जोड़ों में से एक थे। उस समय की रिपोर्टों में लगभग 4 करोड़ रुपये के समझौते का सुझाव दिया गया था, हालाँकि किसी भी पक्ष ने आधिकारिक तौर पर इस राशि की पुष्टि नहीं की थी।

युजवेंद्र ने एक अदालती फैसले का स्क्रीनशॉट साझा किया, जिसमें कहा गया था, 'आर्थिक रूप से स्वतंत्र पत्नियाँ अपने पतियों से गुजारा भत्ता नहीं मांग सकतीं।' इसके साथ उन्होंने कैप्शन दिया, 'माँ कसम खाओ नहीं पलटोगे इस फैसले से, ' जिसका मोटे तौर पर मतलब है, 'अपनी माँ की कसम खाओ कि तुम इस फैसले से पीछे नहीं हटोगे।' हालाँकि यह पोस्ट कुछ ही देर बाद हटा दी गई, लेकिन यह कुछ ही मिनटों में वायरल हो गई, जिससे ऑनलाइन इस बात पर गरमागरम बहस छिड़ गई कि क्या यह धनश्री पर निजी कटाक्ष था या फिर सिर्फ़ फ़ैसले का समर्थन। यह पोस्ट युजवेंद्र के कोरियोग्राफर और प्रभावशाली धनश्री वर्मा से अलगाव की बहुचर्चित घटना के कुछ महीने बाद आई है। दिसंबर 2020 में शादी करने वाले इस जोड़े ने बॉम्बे हाईकोर्ट में सुनवाई के बाद मार्च 2025 में आधिकारिक रूप से अलग होने का फ़ैसला किया। रिपोर्टों में दावा किया गया था कि समझौता लगभग ?4 करोड़ का था, हालाँकि न तो युजवेंद्र और न ही धनश्री ने इस आँकड़ों की पुष्टि की।

मेसी ने इंटर मियामी के साथ अपना अनुबंध 2028 तक बढ़ाया

मियामी। लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी के साथ अपने अनुबंध को अपने 41वें जन्मदिन के बाद तक बढ़ाने पर सहमति जताई है, एमएलएस क्लब ने यह जानकारी दी। 38 वर्षीय मेसी, जिनका पिछला अनुबंध दिसंबर में समाप्त होने वाला था, ने 2028 के अंत तक चलने वाले इस समझौते की व्यक्तिगत शर्तों पर सहमति जताई। सह-मालिक डेविड बेकहम ने एक बयान में कहा, 'हमारा लक्ष्य इंटर मियामी और इस शहर में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को लाना था, और हमने ठीक यही किया है।वह अब भी पहले की तरह ही प्रतिबद्ध हैं और अब भी जीतना चाहते हैं।' 2023 में क्लब में शामिल होने के बाद से मेसी ने 82 मैचों में 71 गोल किए हैं और 37 असिस्ट दिए हैं, जिससे मियामी को 2023 लीग कप और 2024 सपोर्टर्स शील्ड जीतने में मदद मिली है।

अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता ने 29 गोल के साथ इस साल का एमएलएस गोल्डन बूट जीता और लीग के एमवीपी पुरस्कार के लिए चुने गए पांच खिलाड़ियों में से एक हैं। बेकहम ने कहा, 'लियो का इंटर मियामी के लिए अपना भविष्य समर्पित करना, हमारे यहां जो कुछ भी बन रहा है, उसमें उनके विश्वास को दर्शाता है।' उन्होंने आगे कहा, 'उन्होंने इस देश में खेल का चेहरा बदल दिया है, और हमें इस बात पर बहुत गर्व है कि वह भविष्य में हमारे क्लब का नेतृत्व करेंगे।' इंटर मियामी नियमित सत्र के अंत में एमएलएस ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में तीसरे स्थान पर रहा। फ्लोरिडा की यह टीम शुक्रवार को प्लेऑफ के पहले दौर में नैशविले से खेलेगी, जिसका फैसला तीन मैचों में होगा।

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे
मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008।
कार्य - मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर मीडिया के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शित करना।

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVTM25-33	13-11-25 14:00:00

लॉट संख्या	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
MSS-BCT-BDTS-STGen-91-25-1 (Misc-Static-Services-Static General)	बांद्रा टर्मिनस के उत्तरी छोर पर प्लेटफार्म संख्या 01 और कोच केयर सेंटर की चारदीवारी के बीच स्थित वेयरहाउसिंग सुविधा (पार्सल यातायात के लिए) का विकास, संचालन और प्रबंधन।	1096	13-11-25 14:30:00

संपर्क विवरण: लैंडलाइन नंबर: 02267644212, ईमेल आईडी: acmadvtgbct@gmail.com
नोट: संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉट-वार विवरण नीचे दिए गए कैटलॉग में उपलब्ध हैं।
0734
Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: x.com/WesternRly

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
विद्युत कार्य

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर, सामान्य, मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाईसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की ई प्रोक्यूरमेंट वेवसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा क्रं.: सोला/वि/नि/2025/18, दिनांक: 24.10.2025. कार्य का नाम:** सोलापुर मंडल के अंतर्गत विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर स्थित स्टाफ क्वार्टर एवं सेवा भवनों के पुनः वायरिंग कार्य से संबंधित विद्युत सामान्य सेवा का कार्य। **कार्य की लागत:** रु. 1,46,20,569.79. **बोली प्रतिभूति:** रु.2,23,100/-. **कार्य पुरा करने की अवधि:** 12 माह। **निविदा प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन। **वेवसाइट पर निविदा बंद करने की तिथि और समय:** दि. 20.11.2025 को 15:00 बजे। बोली प्रतिभूति राशि की रकम का भुगतान ई-पेमेंट द्वारा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर करना है।

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य),
DE/Sur-69 मध्य रेल, सोलापुर
रेल्वे फाटक को बंध स्थिति में पार करना मना है

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
ओएचई संरचना कार्य

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क. वि). मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाईसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की ई प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा क्रं.: सोला/क.वि./नि/2024/12आर4, दिनांक: 24.10.2025. कार्य का नाम:** सोलापुर डिवीजन में सुरक्षा और विश्वसनीयता में सुधार के लिए विभिन्न स्थानों पर स्थित लिनिंग मास्त को अटेंड करने के लिए ओएचई संरचना का प्रतिस्थापन। (पुनर्निविदा) **कार्य की अनुमानित लागत:** रु.2,34,68,737.21. **बयाना राशि:** रु 2,67,400/-. **कार्य पुरा करने की अवधि:** 12 माह। **निविदा प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन। **वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि और समय:** दि. 18.11.2025 को 15:00 बजे।

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टीआरडी),
DE/Sur-68 मध्य रेल, सोलापुर
रेल्वे फाटक को बंध स्थिति में पार करना मना है

ब्रेन एन्यूरिज्म से जूझ रहीं किम कार्दशियन, कान्ये पर बोलीं- मेरा एक्स हमेशा मेरी ज़िंदगी में रहेगा।

किम कार्दशियन और कान्ये वेस्ट का तलाक और कस्टडी की लड़ाई खबरों में छाई हुई है। अभिनेत्री ने 'द कार्दशियन्स' शो में अपने जीवन के बारे में जानकारी दी है। सीज़न 7 के प्रीमियर के दौरान, एक चौंकाने वाले घटनाक्रम में, उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें ब्रेन एन्यूरिज्म है। अपने तलाक के भावनात्मक बोझ और चल रही व्यक्तिगत चुनौतियों पर खुलकर विचार करते हुए, किम ने स्वीकार किया कि इस तनाव ने उनके स्वास्थ्य पर गहरा असर डाला है।

द कार्दशियन्स के आगामी सीज़न 7 के टीज़र एपिसोड क्लिप के अनुसार, किम कार्दशियन अपने परिवार को ब्रेन एन्यूरिज्म का पता बताने से पहले एमआरआई स्कैनर में प्रवेश करती हुई दिखाई देती हैं। उनकी बड़ी बहन, कर्टनी कार्दशियन, चौंककर 'वाह!' कहती हैं। इससे पहले किम डॉक्टर के निष्कर्षों के बारे में बतातीं, 'वे ऐसे थे, 'बस तनाव!''

उन्होंने आगे कहा, 'लोग सोचते हैं कि मेरे पास दूर जाने की सुविधा है। मुझे खुशी है कि यह खत्म हो गया। मेरा पूर्व प्रेमी चाहे कुछ भी हो, मेरी ज़िंदगी में रहेगा। लेकिन बाद में, वह टूट गईं और बोलीं, 'कल रात मैं सोच रही थी, 'आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? किम ने यह भी बताया कि उनका सोरायसिस- एक पुरानी त्वचा की बीमारी जिससे वह सालों से

जूझ रही थीं- फिर से उभर आया था। उन्होंने बताया, 'तलाक के बाद से मुझे सोरायसिस नहीं हुआ है, और यह अचानक वापस आने लगा है।'

एन्यूरिज्म रक्त वाहिका की दीवार में एक उभार या गुब्बारा होता है। फटे हुए एन्यूरिज्म से आंतरिक रक्तस्राव हो सकता है, जो जानलेवा हो सकता है। हालाँकि, अगर एन्यूरिज्म छोटा है और फटा नहीं है, तो इसका इलाज संभव है।

किम पहले भी अपनी स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में खुलकर बात करती रही हैं। उन्होंने पहले सोरायसिस और सोरायटिक गठिया से अपनी लड़ाई का खुलासा किया था। डेली मेल के अनुसार, 2015 में, उन्होंने प्लेसेंटा एक्रीटा से पीड़ित होने के बारे में खुलकर बात की थी, जो एक खतरनाक गर्भावस्था जटिलता है जिसका सामना उन्हें अपने बच्चों, नॉर्थ और सेंट, को जन्म देते समय करना पड़ा था।

ये और कार्दशियन ने 2014 में शादी की थी, और 2021 में तलाक के लिए अर्जी देने से कई साल पहले ही उनकी शादी में परेशानियाँ शुरू हो गई थीं। 2016 में वेस्ट के अप्रत्याशित व्यवहार के कारण उनके रिश्ते में काफी तनाव आ गया था। नवंबर 2022 में, उनका तलाक तय हो गया। जो लोग नहीं जानते, उनके लिए बता दें कि कान्ये वेस्ट की बेटियाँ नॉर्थ (11) और शिकागो (6) और बेटा स्तोर (5) भी कार्दशियन के साथ हैं। अलग होने के बाद अपने बच्चों की कस्टडी के लिए लड़ाई के कारण यह जोड़ा खबरों में रहा है।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस ⇌ जोधपुर के बीच सुपरफास्ट त्यौहार विशेष ट्रेन चलाएगा

ट्रेन संख्या	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथियां	प्रस्थान	आगमन
04834	बांद्रा टर्मिनस – जोधपुर	27/10/2025	10:00 बजे (सोमवार)	11:25 बजे (अगले दिन)
04833	जोधपुर – बांद्रा टर्मिनस	26/10/2025	06:45 बजे (रविवार)	07:00 बजे (अगले दिन)

ठहराव: बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, वनस्थली निवाई, दुर्गापुरा, जयपुर, आसलपुर जोबनेर, फुलेरा, कुचामन सिटी, मकराना, डेगाना और मेड़ता रोड स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में।

संरचना: फर्स्ट एसी, एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच।

ठहराव के समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन नंबर 04834 की बुकिंग 26/10/2025 से सभी PRS काउंटर और IRCTC वेबसाइट पर शुरू होगी। यह ट्रेन विशेष किराए पर विशेष ट्रेन के तौर पर चलेगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाईक करें : facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें : x.com/WesternRly
instagram.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के साथ अपना वास्तविक पहचान पत्र भी साथ रखें

'प्रशिक्षण प्रणाली में बड़े बदलाव की जरूरत', वायुसेना प्रमुख बोले- आधुनिक युग में हर वक्त तैयार रहना होगा

बंगलूरू। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा है कि बदलती वैश्विक परिस्थितियों और नई तकनीकों के दौर में सेना को हर समय तैयार और सक्षम बनाए रखने के लिए प्रशिक्षण प्रणाली में बड़े बदलाव की जरूरत है। वे शुक्रवार को बंगलूरू स्थित मुख्यालय प्रशिक्षण कमान में आयोजित 'ट्रेनिंग कमांड कमांडर्स कॉफ्रेंस 2025 की अध्यक्षता कर रहे थे। यह सम्मेलन 23 और 24 अक्तूबर को हुआ, जिसमें वायुसेना के सभी प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों के कमांडर शामिल हुए।

'वैश्विक खतरे और नई तकनीकें तेजी से बदल रही हैं'

वायुसेना की ओर से जारी बयान के अनुसार, इस सम्मेलन में प्रशिक्षण दर्शन में बदलाव, बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण, और प्रशिक्षण पद्धतियों को नए परिचालन जरूरतों के अनुरूप ढालने जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि वैश्विक खतरे और नई तकनीकें तेजी से बदल रही हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन चुनौतियों का सामना करने के लिए वायुसेना की प्रशिक्षण प्रणाली को लचीला, आधुनिक और तकनीक

आधारित बनाया जाना चाहिए।

एपी सिंह ने सभी प्रशिक्षण केंद्रों के प्रदर्शन की समीक्षा की

इस सम्मेलन में उन्होंने सभी प्रशिक्षण केंद्रों के प्रदर्शन की समीक्षा भी की। उन्होंने अब तक की उपलब्धियों की सराहना करते हुए यह भी बताया कि कुछ क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है। उनका कहना था कि प्रशिक्षण केवल कौशल बढ़ाने का साधन नहीं है, बल्कि यह सेना की तैयारियों, मानसिक दृढ़ता और रणनीतिक सोच को विकसित करने का प्रमुख माध्यम है। इस कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टेशनों को ट्रॉफी और सम्मान भी दिया गया। इस वर्ष 'प्राइड ऑफ द ट्रेनिंग कमांड' ट्रॉफी एयर फोर्स अकादमी को प्रदान की गई। अकादमी ने संचालन, रखरखाव और प्रशासन के क्षेत्रों में बेहतरीन प्रदर्शन किया। सम्मेलन में वायुसेना की तैयारियों समेत मुद्दों पर चर्चा

इस बैठक का उद्देश्य वायुसेना की प्रशिक्षण प्रणालियों को वैश्विक मानकों के अनुरूप लाना, नई तकनीकों को शामिल करना और सैनिकों को हर प्रकार के मिशन के लिए तैयार करना बताया गया। एयर चीफ मार्शल सिंह ने इस सम्मेलन में यह भी कहा कि प्रशिक्षण में नवाचार और आधुनिक तकनीक अपनाना अब अनिवार्य है, ताकि वायुसेना की दक्षता और युद्धक क्षमता लगातार बढ़ती रहे। इस दो दिवसीय सम्मेलन में वायुसेना की रणनीतिक तैयारियों, आधुनिक प्रशिक्षण उपकरणों और तकनीकी सुधारों पर विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों ने भविष्य की चुनौतियों के लिए प्रशिक्षण योजनाओं को और प्रभावी बनाने पर ध्यान केंद्रित किया।

महागठबंधन पर मनोज तिवारी का बड़ा हमलाः मुसलमानों को सिर्फ़ वोट बैंक समझा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद मनोज तिवारी ने शुक्रवार को विपक्षी महागठबंधन पर मुसलमानों को सिर्फ़ वोट बैंक समझने और उन्हें कोई लाभ न देने का आरोप लगाया। तिवारी ने यहाँ पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मुस्लिम समुदाय को लाभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पहुँचाया है। उन्होंने यह भी कहा कि महागठबंधन में चल रही अंदरूनी कलह के चलते राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव को खुद को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने के लिए संघर्ष करना पड़ा।

तिवारी ने कहा कि वे मुसलमानों को सिर्फ़ अपना वोट बैंक समझते हैं, लेकिन उन्हें फ़ायदा पहुँचाने के लिए कभी कुछ नहीं करते। प्रधानमंत्री मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुसलमानों को फ़ायदा पहुँचाया है। महागठबंधन में इतनी अंदरूनी कलह है कि राजद नेता तेजस्वी यादव को खुद को महागठबंधन का मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने के लिए काफ़ी मशक्कत करनी पड़ी। महागठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं है।

इससे पहले, तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली डबल इंजन वाली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार ने पिछले 20 सालों से बिहार की जनता का शोषण किया है। एएनआई से बात करते हुए, यादव ने कहा कि

लोग मौजूदा सरकार से 'नाखुश' हैं। उन्होंने कहा कि यह लोगों का (मेरे प्रति) प्यार है। बिहार की जनता बदलाव चाहती है। वे मौजूदा सरकार से नाखुश हैं। 20 सालों से बिहार की जनता का शोषण हो रहा है। इस बार जनता इसका बदला लेगी। और भी उप-मुख्यमंत्री होंगे, आपको कुछ दिनों में इसके बारे में पता चल जाएगा।

बिहार में राघोपुर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे यादव को आगामी चुनावों के लिए मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया गया है। ये चुनाव 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में होने वाले हैं। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया गया है। 2025 के बिहार चुनाव में मुख्य मुकाबला एनडीए और महागठबंधन के बीच होगा।

'प्रोजेक्ट को मंजूरी दिलाने के लिए नक्शा बदल दिया', कांग्रेस ने सरकार पर लगाए आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर एक बड़ा आरोप लगाते हुए कहा है कि ग्रेट निकोबार द्वीप के नक्शों से कोरल रीफ्स यानी मूंगे की चट्टानों को जानबूझकर हटा दिया गया है ताकि पर्यावरणीय सुरक्षा नियमों को दरकिनार कर ग्रेट निकोबार मेगा इंफ्रा प्रोजेक्ट को मंजूरी मिल सके। पार्टी ने कहा कि यह कोई इकोलॉजिकल अपडेट नहीं, बल्कि ब्यूरोक्रेटिक री-राइट है, जो कॉरपोरेट हितों को साधने के लिए की गई है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शुक्रवार को एक्स पर 'द हिंदू' की एक रिपोर्ट साझा करते हुए आरोप लगाया कि 2020 और 2021 के बीच सरकार द्वारा जारी ग्रेट निकोबार द्वीप के आधिकारिक नक्शों से मूंगे की चट्टानें गायब कर दी गईं। रमेश ने लिखा कि मोदी सरकार ने ग्रेट निकोबार मेगा इंफ्रा प्रोजेक्ट को मंजूरी दिलाने के लिए नक्शे तक बदल दिए।

मूंगे की चट्टानों कोरल रीफ्स के साथ हेरफेर का दावा

रमेश ने बताया कि 2020 के नक्शे में ग्रेट निकोबार के दक्षिण और पश्चिमी तट, विशेषकर गैलेथिया बे क्षेत्र, को कोरल रीफ्स से भरपूर दिखाया गया था। यह वही क्षेत्र है जहां अंतरराष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल प्रस्तावित है। लेकिन 2021 में जारी संशोधित नक्शे में इन कोरल रीफ्स को समुद्र के बीचोंबीच स्थानांतरित दिखाया गया, जहां वैज्ञानिक

रूप से उनका अस्तित्व संभव ही नहीं है। उन्होंने कहा कि इस बदलाव ने परियोजना के लिए रास्ता सुविधाजनक रूप से साफ कर दिया।

पर्यावरणीय श्रेणी में बदलाव का आरोप

कांग्रेस नेता ने कहा कि 2020 में ग्रेट निकोबार का लगभग पूरा हिस्सा 'सीआरजेड-IA' श्रेणी में था, जहां बंदरगाह निर्माण पूरी तरह से प्रतिबंधित है। लेकिन 2021 के नक्शे में गैलेथिया बे को इस श्रेणी से बाहर कर दिया गया। रमेश के मुताबिक यह पर्यावरणीय अद्यतन नहीं, बल्कि नियमों को दरकिनार करने की सोची-समझी चाल है।

सोनिया गांधी और सरकार का तर्क

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने इस परियोजना को 72,000 करोड़ रुपये की नियोजित भूल बताया था, जिससे शोमपेन और निकोबारी जनजातियों का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। उन्होंने कहा था कि यह परियोजना एक अनोखे पारिस्थितिक तंत्र को नष्ट कर देगी और यह प्राकृतिक आपदाओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशील क्षेत्र है। वहीं, केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने 'द हिंदू' में एक लेख लिखकर सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना सामरिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण है और इससे ग्रेट निकोबार को हिंद महासागर क्षेत्र में एक बड़े समुद्री और हवाई संपर्क केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। परियोजना में एक अंतरराष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल, ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट, 450 एमवीए गैस एवं सोलर पावर प्लांट और 16 वर्ग किलोमीटर में एक नया टाउनशिप प्रस्तावित है।

आईआरसीटीसी पश्चिमी क्षेत्र, मुंबई द्वारा अगस्त और सितंबर 2025 के 'महीने के श्रेष्ठ कर्मचारी' सम्मानित

मुंबई(संवाददाता)।भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी), जो रेल मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक नवरत्न सार्वजनिक उपक्रम है, अपने कर्मचारियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को पहचानने और प्रोत्साहित करने की परंपरा को निरंतर आगे बढ़ा रहा है। इसी क्रम में, अगस्त और सितंबर 2025 माह के महीने के श्रेष्ठ कर्मचारी (Employee of the Month) पुरस्कार आईआरसीटीसी पश्चिमी क्षेत्र कार्यालय, मुंबई में प्रदान किए गए।

अगस्त 2025 माह के लिए - अशोक पांडे, हॉस्पिटैलिटी मॉनिटर, केटरिंग क्षेत्रीय कार्यालय, अहमदाबाद, तथा विजय गायकवाड़, सहायक स्टाफ, पर्यटन क्षेत्रीय कार्यालय, मुंबई, को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

सितंबर 2025 माह के लिए - रणवीर चौधरी, केटरिंग पर्यवेक्षक (सीएस), पुणे, तथा लता राणे, सहायक स्टाफ, वित्त विभाग, क्षेत्रीय कार्यालय, मुंबई, को उनके सराहनीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

सभी चयनित कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान किए गए, जो उनकी निष्ठा और समर्पण का प्रतीक है।

पुरस्कार वितरण गौरव झा, समूह महाप्रबंधक, आईआरसीटीसी पश्चिमी क्षेत्र, मुंबई द्वारा किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारी हर्षवर्धन सिंह रावत, AGM (Tourism); विजय कुंडले, उप महाप्रबंधक (वित्त); तथा नागेश चौधरी, प्रबंधक (मानव संसाधन), आईआरसीटीसी पश्चिमी क्षेत्र, मुंबई उपस्थित रहे।

डॉ. ए.के. सिंह, जनसंपर्क अधिकारी, आईआरसीटीसी पश्चिमी क्षेत्र, मुंबई ने बताया कि इस अनूठी पहल की शुरुआत समूह महाप्रबंधक गौरव झा द्वारा वर्तमान वित्तीय वर्ष में की गई थी, और अब तक कुल छह कर्मचारियों को इस योजना के अंतर्गत सम्मानित किया जा चुका है।

आईआरसीटीसी पश्चिमी क्षेत्र अपने कर्मचारियों में उत्कृष्टता, नवाचार और ग्राहक-केंद्रित सेवा की भावना को बढ़ावा देने के लिए सतत रूप से ऐसे प्रोत्साहन और सम्मान कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा।

40 ट्रक माल लेकर अफगानिस्तान में धड़धड़ाते हुए घुसा भारत, देखते रह गए ट्रंप-शहबाज

नई दिल्ली। जो सच्चे दिल से साथ देता है, उसका नाम सदियों तक इतिहास में लिखा जाता है। आज इसी कहावत को भारत ने उस अफगान जमीन पर सच कर दिखाया जहां कभी गोलियों की गूंज हुआ करती। आज वहां पर भारत की मदद और इंसानियत की आवाज सुनाई दे रही है। वही अफगानिस्तान जहां अमेरिका ने अपने अरबों डॉलर के साथ सपनों को भी दफना दिया। वहां बस भूख, डर और बारूद की गंध बची थी। लोगों के चेहरों पर उम्मीद नहीं हार का भाव लिखा था। लेकिन अब वही धरती भारत के भरोसे से नई सुबह देख रही है। जहां कभी अमेरिकी फौजे हार मानकर भाग गई। वहां अब भारतीय ट्रक उम्मीद लेकर पहुंच रहे हैं। भारत ने फिर साबित कर दिया है कि जब बाकी देश कहने में लगे थे। तब भारत करने में लगा था।

अफगानिस्तान में जब भूंकप और भूख ने तबाही मचाई। दुनिया के बड़े बड़े देश मीटिंग और बयानों में उलझे रहे। लेकिन भारतने रातों रात सन्नाटे में 40 ट्रकों का एक काफिला रवाना कर दिया। इनमें गेंहू, दालें, दवाईयां, टेंट और इंसानियत का जज्बा भरा था। इन ट्रकों की रफ्तार में राहत नहीं बल्कि

उम्मीद की गूंज थी। काबुल की सड़कों पर भारतीय झंडे वाले ट्रक पहुंचे तो वहां के बच्चों ने कहा कि अब भारत आया है। वहां के बच्चों में चमक लौट आई। महिलाओं के चेहरों पर मुस्कान खिल गई और अफगान गलियों में हिंदुस्तान जिंदाबाद गूंज उठा। भारत ने कोई प्रचार नहीं किया। कोई घोषणा नहीं की और चुपचाप मदद भेज गी। यही भारत की साइलेंट डिप्लोमेसी है। ऐसी कूटनीति जो कैमरों में नहीं। दिलों में बात करती है। जब विदेश मंत्री एस जयशंकर की मुलाकात तालिबान सरकार के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी से हुई। तो दुनिया की निगाहें उस छोटे से कमरे में टिक गई। अमेरिका जो तालिबान से बात करने से डरता था, भारत वही जाकर विश्वास की डोर बुन रहा। मुत्ताकी ने कहा था कि भारत ने बिना किसी स्वार्थ के हमारा साथ दिया। ये बात सिर्फ शुक्रिया नहीं बल्कि भारत की कूटनीतिक जीत की मुहर है। भारत पहले अफगानिस्तान को 20 एंबुलेंस गिफ्ट कर चुका है और अब एमआरआई व सीटी स्कैन मशीने भेजने की तैयारी में जुट चुका है।

बाकी देश जब चेतावनी देने में लगे थे तब भारत वहां अस्पताल, स्कूलों का निर्माण कर रहा है। भूखे बच्चों के हाथों में रोटी रख रहा था। ये सिर्फ राहत नहीं थी। बल्कि दिलों को जीतने की डिप्लोमेसी थी। भारत ने दिखा दिया कि असली ताकत हथियारों में नहीं मानवता में होती है। रूस ने भारत के कदम को मानवता की मिसाल बताया। चीन चौकन्ना हो गया क्योंकि उसे समझ आ गया कि भारत का दिलों में उतरने वाला मॉडल उसके बेल्ट एंड रोड एनिसिएटिव से कहीं ज्यादा असरदार है। अमेरिकी थिंक टैंक भी मानने लगे हैं कि भारत की ये नीति एशिया की नई धुरी बन सकती है।

भारत को लेकर दावे पर दावे करते हैं ट्रंप, शशि थरूर ने जवाब देते हुए कहा- अपने फैसले खुद करेंगे और..

वांशिगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस दावे पर कि भारत इस साल के अंत तक रूस से तेल आयात बंद कर देगा, कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने गुरुवार को पलटवार करते हुए ट्रंप पर नई दिल्ली की ओर से घोषणा करने का आरोप लगाया। थरूर ने राष्ट्रपति ट्रंप से कहा कि वह भारत के फैसलों की घोषणा दुनिया को न करें, क्योंकि नई दिल्ली वाशिंगटन डीसी की बात नहीं करता। कांग्रेस सांसद ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि ट्रंप का भारत के फ़ैसलों के बारे में घोषणा करना उचित है। मुझे लगता है कि भारत अपने फ़ैसलों की घोषणा करेगा। हम दुनिया को यह नहीं बताते कि ट्रंप क्या करेंगे। मुझे लगता है कि ट्रंप को दुनिया को यह नहीं बताना चाहिए कि भारत क्या करेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने घोषणा की है कि भारत इस साल के अंत तक रूसी तेल खरीदना बंद कर देगा। उन्होंने बताया कि इस मामले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी 'बेहद अच्छी' बातचीत हुई। यह बातचीत अमेरिकी राष्ट्रपति के उस दावे के कुछ दिनों बाद हुई है जिसमें उन्होंने दावा किया था कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें फ़ोन पर वादा किया था कि भारत रूसी तेल खरीदना बंद कर देगा। इस दावे का बाद में विदेश मंत्रालय ने खंडन किया था। राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस में नाटो महासचिव मार्क रूट की मेज़बानी के दौरान पत्रकारों से बातचीत के दौरान

कहा जैसा कि आप जानते हैं, भारत ने मुझसे कहा था कि वे इसे बंद कर देंगे। यह एक प्रक्रिया है; आप इसे यूँ ही बंद नहीं कर सकते। लेकिन साल के अंत तक, उनके पास लगभग कुछ भी नहीं बचेगा। यह एक बड़ी बात है, यह लगभग 40 प्रतिशत तेल है। भारत बहुत अच्छा रहा है। कल प्रधानमंत्री मोदी से बात की और वे बहुत अच्छे रहे।

हालांकि, भारत किसी भी समझौते से इनकार करता है और उपभोक्ता हितों की रक्षा को अपनी प्राथमिकता बताता है। देश की ऊर्जा नीति स्थिर कीमतों और सुरक्षित आपूर्ति को प्राथमिकता देती है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब ट्रम्प ने भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है और नई दिल्ली से ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने का आग्रह किया है।

टीवी विज्ञापन के कारण कनाडा के साथ व्यापार वार्ता समाप्त कर रहे हैं : ट्रंप

वांशिगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार देर रात सोशल मीडिया पर कहा कि वह कनाडा के साथ "सभी व्यापार वार्तायें" समाप्त कर रहे हैं, क्योंकि हाल ही में प्रसारित टेलीविजन विज्ञापनों में अमेरिकी शुल्कों का विरोध किया गया है। ट्रंप ने इन विज्ञापनों को "अत्यधिक अनुचित व्यवहार" बताया, जिसका उद्देश्य अमेरिकी अदालतों के फैसलों को प्रभावित करना है। ट्रंप का यह पोस्ट कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति के शुल्क से उत्पन्न खतरे के कारण उनका लक्ष्य, अमेरिका के बाहर के देशों को निर्यात दोगुना करने का है।

भारत के बाद अफगानिस्तान ने भी पानी को बनाया हथियार! कुनार पर बांध बना पाकिस्तान की जल आपूर्ति रोकेगा तालिबान

नई दिल्ली। भारत के बाद अब अफ़ग़ानिस्तान भी पाकिस्तान की जल आपूर्ति पर रोक लगा सकता है। तालिबान के उप-सूचना मंत्री मुजाहिद फ़राही ने घोषणा की है कि जल एवं ऊर्जा मंत्रालय को तालिबान के सर्वोच्च नेता शेख हिबतुल्लाह अखुंदज़ादा से कुनार नदी पर बिना किसी देरी के बांध बनाने के निर्देश मिले हैं। यह नदी पाकिस्तान में बहती है और पाकिस्तान के लिए पानी का एक प्रमुख स्रोत है। अफ़ग़ानिस्तान पाकिस्तान की नदियों का पानी सीमित करने की तैयारी में अफ़ग़ान सूचना मंत्रालय के अनुसार, तालिबान शासित अफ़ग़ानिस्तान बाँध बनाने और पाकिस्तान की नदियों का पानी सीमित करने की योजना बना रहा है। कुनार नदी पर 'यथाशीघ्र' बाँध बनाने का आदेश तालिबान के सर्वोच्च नेता मौलवी हिबतुल्लाह अखुंदज़ादा ने दिया है। 'जल के अधिकार' के बारे में यह सार्वजनिक बयान अफ़ग़ानिस्तान और पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध के कुछ ही हफ़्ते बाद आया है जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए थे।

शहबाज शरीफ की मुश्किलें बढ़ीं

अफ़ग़ानिस्तान का यह फ़ैसला भारत द्वारा पाकिस्तान के साथ जल-बँटवारे के फ़ैसले के बाद आया है। भारत ने सिंधु जल संधि, जिसके तहत वह तीन पश्चिमी नदियों का पानी साझा करता था, को 22 अप्रैल को पहलगाम में पाकिस्तानी और पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा 26 नागरिकों की हत्या के बाद स्थगित रखा था।

पाकिस्तान का पानी रोकने की बनाई योजना, कुनार नदी पर बांध बनाने की तैयारी

अफ़ग़ान जल और ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि सर्वोच्च नेता अखुंदज़ादा ने मंत्रालय को कुनार नदी पर बाँधों का निर्माण जल्द से जल्द शुरू करने और घरेलू कंपनियों के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर करने का निर्देश दिया है, जैसा कि सूचना उप मंत्री मुहाजेर फ़राही ने गुरुवार को पर पोस्ट किया।

लंदन स्थित अफ़ग़ान पत्रकार सामी यूसुफ़ज़ई ने कहा, 'भारत के बाद, अब पाकिस्तान की जल आपूर्ति को प्रतिबंधित करने की बारी अफ़ग़ानिस्तान की हो सकती है...'। सामी यूसुफ़ज़ई के अनुसार, सर्वोच्च नेता ने 'डजल एवं ऊर्जा मंत्रालय को विदेशी कंपनियों का इंतज़ार करने के बजाय घरेलू अफ़ग़ान कंपनियों के साथ अनुबंध करने का आदेश दिया है।'

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)